डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026
RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

दैनिक सद्भावना पाती

प्राणियों में सद्भावना हो

डॉ. देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक

14 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार 11 जून, 2026 वर्ष:: 14 अंक :: 44 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी में टूट जारी एक और इस्तीफा

● अब राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने छोड़ दी टीएमसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में लगातार टूट जारी है। बुधवार को राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। पिछले 3 दिनों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। इससे पहले 8 जून को

सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, पार्टी भी छोड़ दी थी। टीएमसी के लोकसभा में 28 में से 20 सांसद और राज्यसभा में 13 में से 2 सांसद यानी कुल 22 सांसद टूट चुके हैं। 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है। इस बीच ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। एक दिन पहले ममता सोनिया गांधी से मिलीं थीं।

काबा मदीना गाने वालीं सायोनी भी हुईं बागी- टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को जल्द ही एक बहुत बड़ा झटका लग सकता है। खबर है कि लोकसभा सांसद सायोनी घोष अब बागी गुट में शामिल हो सकती हैं। हाल ही में काबा-मदीना गाकर घोष सुर्खियों में आ गई थीं। कहा जा रहा है कि इस संबंध में उन्होंने सांसद काकोली घोष दस्तीदार से भी संपर्क किया है।

भारत का पहला एआई डेटा सेंटर बनाएगी रिलायंस और मेटा

● जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता वाला प्लांट बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेटा भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी कर रही है। इस पार्टनरशिप के तहत गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर तैयार किया जाएगा, जिसे दो साल के भीतर डिलीवर करने का लक्ष्य है। इस साझेदारी के तहत रिलायंस जामनगर में डेटा सेंटर को पूरी तरह से विकसित करेगी। रिलायंस

प्रोजेक्ट के लिए डिजाइन, कंस्ट्रक्शन, यूटिलिटी मैनेजमेंट, रिन्यूएबल पावर, नेटवर्क कनेक्टिविटी और मैनेज्ड सर्विसेज सहित एंड-टू-एंड सर्विसेज देगी। **भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने को तैयार-** रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, मेटा के साथ यह साझेदारी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक बदलावकारी पल है। मेटा का भारत का पहला बिल्ट-टू-सूट डेटा सेंटर बनाना यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने के लिए तैयार है। जामनगर हाइपर स्केल एआई कंप्यूटिंग के लिए चर्चा तेज है।

पीएम मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक: मुख्यमंत्री

● कहा-गरीब परिवार में जन्में प्रधानमंत्री मोदी आज देश के गरीब परिवारों के लिए हैं आदर्श

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की आजादी के बाद निर्वाचित रूप से सबसे अधिक अवधि तक देशसेवा करने का रिकॉर्ड आज अपने नाम किया है। वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक लंबे समय तक कार्य किया है। यह सभी देशवासियों के लिए गौरवशाली क्षण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, जनता के हित में एकजुटता के साथ कार्य करते हैं। वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ भारत को दुनिया में नंबर-1 देश बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आंतरिक रूप से सुरक्षित है, और सीमा से बाहर भी दुश्मनों के दांत खट्टे कर भारतीय सेना ने अपनी सामर्थ्य सिद्ध की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भोपाल के गुफा मंदिर में आयोजित हनुमान चालीसा और प्रार्थना कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हनुमान चालीसा का श्रवण कर भगवान का पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के बाद उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

● बीजेपी में बड़े संगठनात्मक बदलाव की तैयारी

नितिन नवीन की नई टीम की घोषणा इसी महीने

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम-बंगाल में जिस तरह से बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की, उसके बाद केंद्र की सत्ताधारी पार्टी फुल एक्शन मोड पर दिख रही है। जल्द ही पार्टी संगठन में बड़े बदलाव नजर आ सकते हैं। नितिन नवीन के बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद से ही ये चर्चा चल रही थी कि जल्द ही पार्टी में अहम फेरबदल हो सकते हैं। अब ऐसी खबर आ रही कि इसी महीने 'नवीन' टीम कमान संभाल सकती है। बीजेपी की

संगठनात्मक टीमों में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। इसमें पार्टी की सर्वोच्च यूनिट संसदीय बोर्ड भी शामिल है।

संसदीय बोर्ड में भी बड़े बदलाव की तैयारी

एक सूत्र ने बताया कि करीब एक हफ्ते में नए पदाधिकारियों के नामों का ऐलान किया जाएगा। नितिन नवीन अभी 45 साल के हैं। वो सबसे युवा बीजेपी अध्यक्ष बने हैं। यही नहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता बीजेपी को ज्यादा समावेशी और युवा बनाने पर जोर दे रहे हैं।

अब चीन-पाकिस्तान से इकट्ठे निपटेगी सेना

● भारतीय सेना ने तैयार किया युद्ध का ब्लू प्रिंट ● भारत के तीन शहरों में थियेटर कमांड की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेनाओं के लिए थियेटर कमांड वाले आइडिया को अमलीजामा पहनाने के काम ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी है। यूं तो यह आइडिया करीब 6 साल पुराना है, लेकिन अपना कार्यकाल खत्म होते-होते पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने इसका एक ठोस खाका तैयार कर दिया है, जिसे ब्लूप्रिंट बताया जा रहा है। अब रक्षा मंत्रालय और केंद्र सरकार को इसपर निर्णायक फैसला लेना है। भारतीय सशस्त्र सेना को थियेटर कमांड से जोड़ने की खबरों के बीच साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने एक रिपोर्ट दी है, जिसके अनुसार अभी भारत की तीनों सेनाएं, इंडियन आर्मी, इंडियन एयर फोर्स और इंडियन नेवी जो कुल 17 कमांड में काम करती है, वह ढांचा सिमट कर मात्र तीन थियेटर कमांड के अधीन लाया जाना है।

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपी गई ब्लूप्रिंट- इससे पहले एचटी ने रिपोर्ट दी थी कि पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कार्यकाल की समाप्ति से पहले थियेटर कमांड का एक पुख्ता ब्लूप्रिंट रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा है। इस ब्लूप्रिंट में थियेटर कमांड का स्ट्रक्चर, ह्यूमैन रिसोर्सेज, सिनर्जी मेकेनिज्म और एसओपी की जानकारी दी है। इस पर रक्षा मंत्री पहले रक्षा सचिव से चर्चा करेंगे, फिर नए सीडीएस जनरल आर.सुब्रमण्यन अपनी ओर से प्रेजेंटेशन देंगे।

तीन शहरों में थियेटर कमांड

रिपोर्ट के अनुसार नॉर्थर्न थियेटर कमांड का हेडक्वार्टर लखनऊ में होगा। नॉर्थर्न थियेटर कमांड का पूरा फोकस चीन पर होगा। नॉर्थर्न थियेटर कमांड की अगुवाई मुख्य तौर पर आर्मी के हाथों में होगी। वेस्टर्न थियेटर कमांड जयपुर से संचालित होगा और इसके पास पाकिस्तान से निपटने की जिम्मेदारी होगी। वेस्टर्न कमांड का नेतृत्व एयरफोर्स के हाथों में रहने की संभावना है। तीसरा या मैरीटाइम थियेटर कमांड केरल के तिरुवनंतपुरम से काम करेगा। मैरीटाइम थियेटर कमांड के पास बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के सुरक्षा हितों को संभालने की जिम्मेदारी होगी।

पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत का आइडिया

भारत में तीनों सेनाओं को थियेटर कमांड से जोड़ने का आइडिया औपचारिक तौर पर पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने दिया था। उन्होंने 6 साल पहले ही इसका ऐलान कर दिया था। वे शीर्ष जनरलों, एडमिरलों और एयर चीफ मार्शलों के जरिए सशस्त्र सेनाओं के काम करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाना चाहते थे और सेनाओं के बीच पूर्ण ऑपरेशनल सिनर्जी चाहते थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से बढ़ गई जरूरत

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह से चीन की ओर से पाकिस्तान की सक्रिय मदद की बातें सामने आई हैं, उसके बाद से थियेटर कमांड की जरूरत काफी बढ़ गई हैं। हालांकि, पूर्व सीडीएस अनिल चौहान की पहल पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य थियेटर की तर्ज पर ही तीनों सेनाओं में तालमेल बिठाने की कोशिशें भी हुईं और उसमें सफलता भी मिली। एक डिफेंस थिंक टैंक के एक रिसर्चर गौरव कुमार ने एससीएमपी से कहा, भारत में चिंता अभी ये है कि मिलिट्री के पास एक बार में एक ही चुनौती से निपटने जैसी सुविधा अब न रह जाए।

यूपी में सीट बंटवारे की शुरू हुई सुगबुगाहट!

● इन अटकलों के बीच दिल्ली पहुंचे एनडीए के सहयोगी ● विधानसभा चुनाव से पहले एकजुटता दिखाने की कोशिश

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर दिल्ली में बड़े जश्न की तैयारी की जा रही है।

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सहयोगी एकजुटता दिखाने की तैयारी में हैं।

यूपी से एनडीए के सभी सहयोगी शामिल होंगे, जिनमें अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर , निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी शामिल हैं।

ओपी राजभर और संजय निषाद मंगलवार को दिल्ली पहुंच गए, वहीं जयंत ने एनडीए के इस खास कार्यक्रम में शामिल होने के

लिए अपने सभी दूसरे राजनीतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए, जिसमें बुधवार को शामली में होने वाली रैली भी शामिल थी। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 10 जून, 2026 को एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने का जश्न बनाया जा रहा है।

भारत ने वैश्विक मंच पर बनाई नई पहचान:राजभर

राजभर ने कहा कि पिछले 12 सालों में एनडीए सरकार ने राष्ट्रीय विकास, गरीबों के कल्याण, सामाजिक न्याय, बुनियादी ढांचे और किसानों, युवाओं व महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक काम किया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाई है।

यूपी चुनाव से पहले सहयोगियों की एकजुटता होगी अहम

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में एनडीए सहयोगियों का एकजुटता दिखाना बहुत अहम है क्योंकि यहां अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। सूत्रों के मुताबिक, सभी सहयोगियों को एक मंच पर लाकर भाजपा का मकसद इस धारणा को खत्म करना है कि सिर्फ विपक्ष ही एकजुटता दिखा रहा है। संदेश यह है कि जहां इंडिया ब्लॉक एकजुटता पर चर्चा कर रहा है, वहीं एनडीए इसे सार्वजनिक रूप से दिखा रहा है।

सहयोगियों और विरोधियों दोनों के लिए राजनीतिक संकेत

इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में एकजुट मोर्चा पेश करने का एनडीए का फैसला सिर्फ जश्न मनाने से कहीं ज्यादा है।

दिल्ली अग्निकांड

21 मौतों के बाद खुल रहा है फर्जीवाड़े का 'खेल'

● मालिक और अकाउंटेंट के बयानों से हुआ बड़ा खुलासा

● मालिक और अकाउंटेंट के बयानों की हो रही जांच- सूत्रों के अनुसार, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि लाइसेंस स्वीकृति प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता या मिलीभगत तो नहीं हुई। जांचकर्ताओं ने पाया कि बजाज और मिश्रा के बयान काफी हद तक एक जैसे हैं। अब इन बयानों का मिलान जांच के दौरान जुटाए गए दस्तावेजी और तकनीकी साक्ष्यों से किया जा रहा है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मिश्रा करीब एक दशक से बजाज के साथ लेखाकार के रूप में कार्यरत थे और उन्हें उनके सबसे भरोसेमंद कर्मचारियों में माना जाता था। उनकी मासिक तनख्वाह लगभग 35,000 रुपये बताई गई है। जांच में यह भी पता चला कि होटल के दैनिक संचालन का ज्यादातर नियंत्रण मिश्रा के हाथ में था।

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर के एक बेड एंड ब्रेकफास्ट (बी एंड बी) प्रतिष्ठान में लगी भीषण आग की जांच कर रही पुलिस को नए सबूत मिले हैं और अब वह लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया, संचालन व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन में संभावित अनियमितताओं की जांच कर रही है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नए तथ्य तीन जून को हौज रानी स्थित 'फ्लोरिश स्टे' बी एंड बी में लगी आग के मामले में गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज और लेखाकार जय मिश्रा से पूछताछ के दौरान सामने आए। इस अग्निकांड में 21 लोगों की मौत हो गई थी। पूछताछ के दौरान मिश्रा ने जांचकर्ताओं को बताया कि बजाज के कहने पर उन्होंने बी एंड बी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराए थे।

नौकरी में कमाए 2.8 करोड़, संपत्ति निकली 10.80 करोड़

महिला एवं बाल विकास विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर के घर लोकायुक्त का छापा

तीन ट्रेप टीम बनाई थी

इंदौर। महिला एवं बाल विकास विभाग के ज्वाइन डायरेक्टर लक्ष्मी नारायण कंडवाल के यहां बुधवार सुबह लोकायुक्त पुलिस ने छापामार कार्रवाई की। टीम ने इंदौर, पीथमपुर और धार जिले से जुड़े उनके ठिकानों पर दबिश दी। शुरूआती जांच में ही कंडवाल के पास आय से कई गुना अधिक संपत्ति मिली। जांच में पता चला कि 30 साल की नौकरी में अधिकारी ने करीब 2.8 करोड़ वेतन से कमाया, जबकि उसके पास 10 करोड़ से अधिक संपत्ति होना पता चला है, जो आय के मुकाबले 286.7 प्रतिशत अधिक बताई जा रही है। लोकायुक्त टीम ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। एसपी लोकायुक्त राजेश सहाय को कंडवाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी। एसपी डॉ. राजेश सहाय ने छापेमार के लिए तीन टीमें बनाई थी। इसके बाद कार्यवाहक निरीक्षक आशुतोष मिठास से सत्यापन कराया गया। जांच में प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि कंडवाल ने

अपने लगभग 30 वर्ष के सेवाकाल में घोषित आय की तुलना में काफी अधिक संपत्ति अर्जित की है। इसी आधार पर विशेष न्यायालय इंदौर से तलाशी वारंट प्राप्त कर कार्रवाई की गई। लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय के अनुसार महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देखमुख एवं उप पुलिस महानिरीक्षक मनोजकुमार सिंह के द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध स त कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश सहाय को महिला एवं बाल विकास विभाग इंदौर के संयुक्त संचालक लक्ष्मीनारायण कंडवाल द्वारा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने संबंधी गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी।

- **रिश्तेदारों के नाम मिली संपत्तियां** कार्यवाही के दौरान आरोपी लक्ष्मीनारायण कंडवाल द्वारा उनकी पत्नी, पुत्रो एवं पुत्र-वधु तथा रिश्तेदारों के नाम से कई संपत्तियां मिली।
- **प्रमोशन पाकर पहुंचे यहां तक** लोकायुक्त जांच के अनुसार कंडवाल 1996 में बाल विकास अधिकारी के रूप में सेवा में आए थे, जो प्रमोशन पाते हुए ज्वाइन डायरेक्टर के पद तक पहुंच गए। इस दौरान करीब 30 साल में उनकी आय लगभग 2 करोड़ 80 लाख रुपए होती है, वहीं अब तक की जांच में 10 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा हुआ है।
- **कार्रवाई के दौरान इन संपत्तियों का हुआ खुलासा**

1. इंदौर जिले के ग्राम सोनवाय 0.097 हे. कृषि भूमि कीमत 6,64,170 रु.
2. ग्राम तारपुरा तह. व जिला धार स्थित पहनं. 61 के सर्वे क्र. 33 रकबा 2.560 हेक्टयर कृषि भूमि कीमत 9,36,655रु.
3. भूखंड क्र. 149-सीए आनंद विहार, स्कीम नंबर 103 इंदौर को क्र. करने एवं भूखण्ड पर जी-3 करीब 13,560 वर्गफीट भवन निर्माण, कीमत 2,66,57,450 रु.
4. आईडीए योजना क्र 140 के भूखंड क्र. 220 एएम, कीमत 21,90,806 रु.
5. आईडीए के ही योजना योजना क्र. 140 सेक्टर ए टाईप एम भूखंड क्र. 378 क्र. किया, कीमत 15,34,572रु.
6. ग्राम बनेडिया जिला धार में 0.879 हे. कृषिभूमि कीमत 12,26,118 रु.
7. ग्राम बनेडिया जिला धार में 1.176 हेक्टेयर कृषि भूमि, कीमत 22,71,327 रु.
8. ग्राम बनेडिया जिला धार में 2.100 हेक्टेयर कृषि भूमि कीमत 40,55,940 रु.
9. ग्राम तारपुरा तहसील सागौर जिला धार में 2.195 कृषिभूमि कीमत 1,53,15,350 रु.
10. ग्राम तारपुरा तहसील पीथमपुर जिला धार में 0.345 हेक्टेयर एवं 0.606 हेक्टेयर कृषि भूमि कीमत 67,27,239 रु.
11. ग्राम बेकल्या तह. पीथमपुर जिला धार में 1.740 हेक्टयर कृषि भूमि कीमत 11,94,185 रु.
12. ग्राम बेकल्या तहसील पीथमपुर जिला धार में 2.435 हेक्टेयर कृषि भूमि कीमत 2,28,97,007 रु.
13. ग्राम बेकल्या तहसील पीथमपुर जिला धार में 1.740 हेक्टेयर कृषिभूमि कीमत 11,94,185 रु.
14. ग्राम तारपुरा तहसील पीथमपुर जिला धार में 1.212 हेक्टेयर कृषि भूमि कीमत 25 लाख रु. ज्ञात हुआ है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

भोपाल, गुरुवार 11 जून,2026

सीबीआई को मिली दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट

ट्विशा शर्मा मौत मामला

गर्भावस्था, गर्भपात और मौत के कारणों के आसपास घूम रही जांच, डिलीट डेटा रिकवर करने में जुटी टीम

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले की जांच कर रही सीबीआई को दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिल गई है। जांच एजेंसी अब इस रिपोर्ट का बारीकी से अध्ययन कर रही है। दूसरी पीएम रिपोर्ट बंद लिफाफे में सीबीआई को सौंपी गई है। हालांकि पहली पीएम रिपोर्ट में शरीर पर चोटों का उल्लेख है। अब सीबीआई यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोटें सामान्य थीं या घटना से जुड़े किसी अहम तथ्य की ओर इशारा कर रही हैं।

मामले की जांच फिलहाल ट्विशा के गर्भवती होने, गर्भपात कराने और इसके बाद हुई मौत की परिस्थितियों के इर्द-गिर्द घूम रही है। सीबीआई घटनास्थल की परिस्थितियों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों को जोड़कर पूरी तस्वीर बनाने में जुटी है। जांच टीम फांसी के फंदे से जुड़े तथ्यों को भी डमी ट्रायल और फोरेंसिक साक्ष्यों के जरिए समझने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि

जब तक सभी पहलुओं की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

मोबाइल और लैपटॉप से डिलीट डेटा की हो रही रिकवरी- सीबीआई ट्विशा के मोबाइल फोन और लैपटॉप की जांच भी कर रही है। टीम डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने में जुटी है, ताकि चैट, कॉल रिकॉर्ड, फोटो, वीडियो और अन्य डिजिटल साक्ष्यों से घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा सके। इस मामले में ट्विशा की सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह केंद्रीय जेल भोपाल में बंद हैं। दोनों पर सुसाइड के लिए उकसाने, दहेज मांगने, प्रताड़ित करने और धमकाने जैसे आरोप हैं।

दोबारा रिमांड पर हो सकती है पूछताछ

सूत्रों के मुताबिक, दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और नए साक्ष्यों के आधार पर सीबीआई दोनों आरोपियों से दोबारा पूछताछ कर सकती है। इसके लिए उन्हें प्रोटेक्शन वारंट पर जेल से रिमांड पर लिया जा सकता है। फिलहाल सीबीआई मेडिकल रिपोर्ट, डिजिटल साक्ष्य और घटनास्थल से जुड़े सभी तथ्यों का मिलान कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सर्वधर्म ब्रिज की जाली उखड़ी, भ्रष्टाचार का आरोप

भोपाल निगम कमिश्नर को लिखा लेटर कहा- लापरवाह अफसरों पर कार्रवाई हो

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार रोड सिक्सलेन स्थित सर्वधर्म ब्रिज पर सौंदर्यीकरण के लिए लोहे की जालियां लगाई गई हैं। कुछ दिन पहले तेज आंधी से जालियां उखड़ गईं। इसे लेकर कांग्रेस ने

भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को लेटर लिख जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी की गई है। कोलार कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने बताया कि सौंदर्यीकरण के लिए लगाई गई जालियों में भ्रष्टाचार किया गया है, जो थोड़ी सी तेज हवा में ही उखड़ गई। कमिश्नर से निर्माण की जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के साथ जालियों को तुरंत ठीक करने की मांग की गई है।

हादसे का डर

लेटर में कमिश्नर को बताया गया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत पिछले साल जालियां लगाई गई थीं, जो तेज हवा से उखड़ गई। इस मामले में जांच कर स्वच्छता मिशन का कार्य करने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो।

परीक्षा देने आए छात्र को अगवा कर पीटने वाले गिरफ्तार

- रायसेन से आए आरोपियों ने शराब के लिए मांगी थी रकम

भोपाल (नप्र)। भोपाल की अयोध्या नगर पुलिस ने परीक्षा देने भोपाल आए छात्र के साथ अड़ीबाजी, मारपीट और अपहरण करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों ने छात्र को बहाने से बुलाकर सुनसान जगह ले जाकर मारपीट की और शराब पीने के लिए पैसे मांगे थे। पैसे देने से इनकार करने पर बेल्ट से बेरहमी से पीटा गया था। थाना प्रभारी महेश लिल्हारे के मुताबिक फरियादी अंशुल मालवीय (17 वर्ष 11 माह) निवासी इटारसी, भोपाल में क्यूट परीक्षा देने के लिए अपने रिश्तेदारों के यहां आया था। 23 मई की रात करीब 8 बजे आरोपी अनिल मालवीय और उसके साथी राज ने पुरानी रंजिश के चलते उसे मिनाल गेट नंबर-4 पर बुलाया।

बाइक से किया था अपहरण

आरोपियों ने बहाने से उसे बाइक पर बैठाया और उड़ान एकेडमी के पास सुनसान जगह ले गए। वहां दोनों ने छात्र को धमकाते हुए शराब पीने के लिए 2 हजार रुपए की मांग की। छात्र ने पैसे देने से मना किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों, डंडे और बेल्ट से मारपीट की।

सिर, चेहरे पर आई थीं गंभीर चोट- मारपीट में छात्र के सिर, चेहरे, पीठ और हाथ-पैरों में चोटें आईं। इसके बाद आरोपी उसे जबरन बाइक पर बैठाकर रायसेन जिले के ग्राम दाहोद ले गए और जान से मारने की धमकी दी। छात्र किसी तरह आरोपियों के चंगुल से भागकर भोपाल पहुंचा और परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

टीईटी का कार्यक्रम तय कर रहा स्कूल शिक्षा विभाग

- 2005 से 2009 के बीच व्यापमं से परीक्षा देने वाले दायरे में आएंगे या नहीं

भोपाल (नप्र)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब अगले महीने होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा की तैयारी में स्कूल शिक्षा विभाग जुट गया है। विभाग के अफसरों ने शिक्षक संगठनों को आश्वस्त किया है कि जो भी परीक्षा ली जाएगी, उसकी पाठ्य सामग्री ऑनलाइन माध्यम से शिक्षकों को उपलब्ध कराई जाएगी ताकि उसका अध्ययन कर शिक्षक परीक्षा दे सकें। इसके साथ ही विभाग परीक्षा की तैयारी के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर गाइडलाइन जारी करने

की तैयारी में भी जुटा है। साथ ही विभाग विधि विशेषज्ञों से यह राय भी ले रहा है कि 2005 से 2009 के बीच व्यापमं के माध्यम से परीक्षा लेकर जिन्हें शिक्षक बनाया गया था, उन्हें भी पात्रता परीक्षा के दायरे में रखा जाएगा या नहीं रखा जाएगा। शिक्षक पात्रता परीक्षा के दायरे में आने वाले डेढ़ लाख से अधिक शिक्षकों की परीक्षा की तैयारी में जुटे लोक शिक्षण आयुक्त ने यह जानकारी शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि मंडल को दी है। इसके पहले अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्य प्रदेश द्वारा भोपाल में सभी संबद्ध प्रांत अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस बैठक में सुप्रीम कोर्ट में दायर सभी रिव्यू याचिकाओं के खारिज होने के बाद बने हालातों विचार-विमर्श किया गया। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया कि टीईटी के मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक संघर्ष किया जाएगा। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने मंगलवार को स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से मुलाकात की।

आंदोलन की तैयारी

इसी क्रम में 5 सितंबर (शिक्षक दिवस) को दिल्ली में ग्रीय स्तर का आंदोलन करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके लिए देशभर के विभिन्न शिक्षक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। साथ ही जून माह के अंतिम सप्ताह में दिल्ली में एक राष्ट्रीय बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। यह भी तय हुआ कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) संघर्ष को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रदेश भर में जागरुकता यात्रा भी निकाली जाएगी।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमानत और वाहन सुपुर्दगी के प्रयास, दो मामलों में एफआईआर दर्ज

इंदौर। जिला न्यायालय में फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर जमानत और वाहन सुपुर्दगी हासिल करने के दो अलग-अलग मामलों का खुलासा हुआ है। दोनों मामलों में न्यायालय के निर्देश पर एमजी रोड थाना पुलिस ने धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला जिला न्यायालय परिसर स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) न्यायालय से जुड़ा है। शासन की ओर से अली असलम अंसारी, निवासी एमटीएच कम्पाउंड, ने शिकायत दर्ज कराई है। एफआईआर के अनुसार, डॉक्टर आसमा (30), पुत्री मुश्ताक शेख, निवासी मैजेस्टिक नगर, खजराना ने एक प्रकरण में जमानतदार के रूप में अपनी संपत्ति प्रस्तुत की थी। जांच में सामने आया कि जिस संपत्ति को जमानत के आधार के रूप में प्रस्तुत किया गया था, उसका विक्रय पहले ही किया जा चुका था। इसके बावजूद उसी संपत्ति के दस्तावेजों के आधार पर आरोपी गुलाब की जमानत लेने का प्रयास किया गया। न्यायालय ने इसे भ्रामक जानकारी देकर धोखाधड़ी करने का मामला माना। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, इंदौर, रवि कुमार साहू ने दस्तावेजों और तथ्यों का परीक्षण किया। इसके बाद 5 जून 2026 को संबंधित जमानतदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश जारी किए। पुलिस का कहना है कि जांच में और भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। दूसरा मामला जब्त वाहन को छुड़ाने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के उपयोग से जुड़ा है। शिकायतकर्ता अली असलम अंसारी के अनुसार, आरोपी अनिल पुत्र सीताराम सिसोदिया, निवासी जगजीवनराम नगर, ने स्वयं को वाहन मालिक बताते हुए न्यायालय में दस्तावेज प्रस्तुत किए। आरोप है कि अनिल ने वास्तविक वाहन स्वामी शिवनारायण पुत्र शंकर सिंह गौर के नाम से दस्तावेज प्रस्तुत कर वाहन की सुपुर्दगी प्राप्त करने का प्रयास किया। इसके लिए कथित रूप से वाहन स्वामी के नाम से तैयार सुपुर्दगीनामा भी न्यायालय में पेश किया गया, जिस पर शिवनारायण के हस्ताक्षर दर्शाए गए थे। पहचान के लिए आधार कार्ड भी प्रस्तुत किया गया था। हालांकि जांच के दौरान दस्तावेजों में गड़बड़ी सामने आने पर पूरा मामला उजागर हो गया। इसके बाद एमजी रोड थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रियल एस्टेट में सुस्ती के बावजूद पंजीयन में इंदौर प्रदेश में अव्वल

दो माह में 25,405 रजिस्ट्रियों से 328 करोड़ से अधिक राजस्व, 8.59 फीसदी बढ़ी आय

इंदौर। रियल एस्टेट कारोबार में निवेशकों की सुस्ती के बावजूद इंदौर ने पंजीयन और राजस्व संग्रह में प्रदेशभर में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। चालू वित्तीय वर्ष के पहले दो महीनों में जिले में 25,405 दस्तावेजों का पंजीयन हुआ, जिससे स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग को 328.08 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.59 फीसदी अधिक है। वरिष्ठ जिला पंजीयक अमरेश नायडू के अनुसार 1 अप्रैल से 31 मई 2026 के बीच विभाग ने 328.08 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 302.12 करोड़ रुपए था। दस्तावेजों की संख्या भी 23,261 से बढ़कर 25,405 हो गई है। हालांकि मई माह में रजिस्ट्रियों की संख्या में कुछ कमी दर्ज की गई, लेकिन अप्रैल में दस्तावेजों की संख्या में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के कारण कुल राजस्व में बढ़ोतरी बनी रही। जून माह के पहले सप्ताह में भी रजिस्ट्रियों की संख्या बढ़ने के संकेत मिले हैं, जिससे विभाग को इस माह भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि राजस्व में बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण संपत्तियों की गाइडलाइन दरों में हुआ इजाफा है। इंदौर के कई क्षेत्रों में गाइडलाइन दरें 20 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक बढ़ाई गई हैं। इसके बावजूद वास्तविक जरूरत के लिए संपत्ति खरीदने वाले उपभोक्ताओं की मांग बनी हुई है, जिससे यूजर मार्केट सक्रिय है। स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के महानिरीक्षक अंकित तोमर ने बताया कि पूरे प्रदेश में अप्रैल-मई 2026 के दौरान विभाग ने 1,843.54 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष के 1,632.86 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 13 प्रतिशत अधिक है।

आरक्षक ने टी स्टॉल कर्मचारी को पीटा

बाल खींचकर दुकान से बाहर निकाला, चांटे मारे; दुकान बंद कराने को लेकर हुआ था विवाद

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित लिली टॉकीज के करीब महाकाल टी स्टॉल बंद कराने को लेकर पुलिस और दुकान संचालक के बीच विवाद सामने आया है। जिसमें पुलिसकर्मी और कर्मचारी के बीच कहासुनी होती दिखाई दे रही है। दुकान संचालक ने आरक्षक प्रिंशु यादव पर कर्मचारी से मारपीट करने का आरोप लगाया है। इसका एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जबकि पुलिस ने इन आरोपों को निराधार बताया है। जानकारी के अनुसार, लिली टॉकीज के पास स्थित महाकाल टी स्टॉल को सोमवार की देर रात बंद कराने के दौरान विवाद हुआ। दुकान संचालक का आरोप है कि आरक्षक प्रिंशु यादव दुकान पर पहुंचे और कर्मचारी प्रिंस राठौर के साथ मारपीट की।

पुलिस पर पक्षपात करने के आरोप- घटना के बाद दुकान संचालक ने जहांगीराबाद थाने के कुछ पुलिसकर्मियों पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है पुलिस की कार्रवाई सभी दुकानों पर समान रूप से नहीं होती और कुछ चुनिंदा दुकानों को ही निशाना बनाया जाता है। फुटेज दिखाने और तमाम मिन्नतों के बाद भी मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी पर कर्रवाई तय नहीं की गई है।

जिसे पीटा उसी पर कार्रवाई

इस मामले में पुलिस ने कर्मचारी प्रिंस राठौर के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार प्रिंस महाकाल टी स्टॉल का कर्मचारी है। वहीं आरक्षक पर लगे मारपीट के आरोपों को लेकर फिलहाल कोई कार्रवाई तय नहीं की गई है।

- **थाना प्रभारी बोले पुलिस कमिश्नर के आदेश का पालन करा रहे-** जहांगीराबाद थाना प्रभारी राजन अहिरवार ने बताया कि पुलिस कमिश्नर के निर्देश के अनुसार बाजारों को रात 11:30 बजे तक बंद कराने के आदेश हैं। इसी आदेश का पालन कराने के लिए आरक्षक प्रिंशु यादव रात करीब 11:35 बजे महाकाल टी स्टॉल पहुंचे थे। थाना प्रभारी के मुताबिक, दुकान बंद करने की हिदायत देने के बावजूद दुकान चालू रखी गई। इस दौरान दुकान मालिक और कर्मचारी ने आरक्षक से बदसलूकी की। इसके बाद कर्मचारी प्रिंस राठौर को थाने लाया गया और उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में तय समय के अनुसार बाजार बंद कराया जा रहा है।

वीर भारत न्यास व मैपकास्ट ने तैयार किया भूजल एटलस 'अंतर्जली यात्रा'

भोपाल। मध्यप्रदेश में जल संवर्धन और सतत पर्यावरण प्रबंधन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसको वैज्ञानिक एवं तकनीकी आधार प्रदान करने की दिशा में वीर भारत न्यास और मैप कास्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान वर्ष 2026 के अंतर्गत मैपकास्ट द्वारा उपग्रह छायाचित्रों पर आधारित महत्वपूर्ण वैज्ञानिक दस्तावेज भूजल एटलस अंतर्जली यात्रा तैयार किया गया है। इसके तहत भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर एवं जबलपुर जिलों के भूजल एटलस तैयार कर संबंधित विभागों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसे भूजल प्रबंधन और जल गुणवत्ता का आकलन प्रभावी राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केन्द्र (एनआरएससी)-इसरो, हैदराबाद के तकनीकी मार्गदर्शन में आधुनिक रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीकों का उपयोग करते हुए विस्तृत भूजल मानचित्र तैयार किए हैं।

इन मानचित्रों के संकलन से अंतर्जली यात्रा एटलस का निर्माण किया गया है। यह वैज्ञानिक दस्तावेज उन्नत डिजिटल एलिवेशन मॉडल, लीनियामेंट विश्लेषण और लिथोलॉजिकल डेटा के समेकित अध्ययन के आधार पर किया गया है। इसके माध्यम से फ्लोराइड, नाइट्रेट, रासायनिक प्रदूषण और भारी धातुओं की उपस्थिति का क्षेत्रवार विश्लेषण भी उपलब्ध कराया गया है।

इससे जलजनित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और उनके निराकरण में सहायता मिलेगी। यह एटलस जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण विकास एवं कृषि सहित जल क्षेत्र से जुड़े विभिन्न शासकीय एवं अर्द्धशासकीय संस्थानों के लिए नीति निर्माण एवं योजना क्रियान्वयन में उपयोगी सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में 5.39 करोड़ हितग्राहियों को निःशुल्क खाद्यान्न आवंटित

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि दिसम्बर, 2023 से अभी तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत 5.39 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को कुल 24,209 करोड़ रूपये का 74.31 लाख में. टन निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया गया है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों को निःशुल्क राशन का वितरण करने के लिए असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों की 29 वी प्राथमिकता श्रेणी सम्मिलित की गई। इसमें असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों के 7.82 लाख परिवारों के 27.80 लाख नवीन श्रमिकों को पात्रता पर्ची जारी कर निःशुल्क राशन का वितरण किया जा रहा है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत वितरित राशन सामग्री के परिवहन करने वाले 896 परिवहनकर्ताओं एवं 27,872 दुकानों के कमीशन देयकों का प्रतिमाह लगभग 40 करोड़ रूपये का भुगतान ऑनलाईन किया जा रहा है। यह व्यवस्था माह फरवरी, 2024 से लागू है। पूर्व में संचालित 269 पीडीएस के प्रदाय केन्द्रों की संस्था से बढ़ाकर 273 (42 नवीन) की गयी है। इससे सामग्री के प्रदाय के समय एवं राशि की बचत हुई है।

पेड़ की बड़ी टहनी गिरी, 3 घायल

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पुराने शहर स्थित आजाद मार्केट में बुधवार दोपहर एक पेड़ की मुख्य टहनी गिर गई। इससे नीचे से गुजर रहे तीन लोग घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल रवाना किया गया। अचानक पेड़ की टहनी गिरने का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। हादसा दोपहर 3.15 बजे का है। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू ने बताया कि आजाद मार्केट में मुनगा की फली का पेड़ लगा था। जिसकी बड़ी सी टहनी अचानक गिर गई। इस दौरान न तो बारिश हो रही थी और न ही तेज हवा चल रही थी। अचानक हुए हादसे के बाद आसपास के लोग दौड़े और घायलों को टहनी के नीचे से निकाला। इसके बाद उन्हें नजदीक अस्पताल में ले जाया गया। तीनों बाइक सवारों के सिर में चोट लगी है।

पेड़ गिरने से पहले कई लोग गुजरे- जिस वक्त पेड़ गिरा, उससे कुछ सेकंड पहले ही सड़क से लोग गुजरे थे। कई ग्राहक दुकान से ड्राइफ्रूट्स भी खरीद रहे थे। इसके बाद

लोडिंग ऑटो और गुजरा था। प्रत्यक्षादर्शियों के अनुसार, दिन में हादसा होने से बाजार में भीड़ कम थी। यदि शाम के समय पेड़ गिरता तो मामला गंभीर हो सकता था।

- **चलने के लिए 10 फीट जगह भी नहीं-** व्यापारी साहू ने बताया कि आजाद मार्केट में कई पेड़ ऐसे हैं, जो गिरने की अवस्था में है। इनकी टहनियों को भी नहीं छांटा गया है। दूसरी ओर, सड़क के दोनों ओर खासा अतिक्रमण है। पैदल चलने वालों के लिए 10 फीट जगह भी नहीं बची है।

बाइसन री-लोकेशन प्रोजेक्ट को झटका

बांधवगढ़ में कटीले तारों में फंसी मादा 'गौर', रेस्क्यू के दौरान रास्ते में तोड़ा दम

जबलपुर (नप्र)। कटनी वन मंडल के बड़वारा रेंज से दिल दहला देने वाली तस्वीर सामने आई। उटिन गांव के पास एक खेत के चारों तरफ लगी नुकीली और कंटीले तारों की जाली में एक भारी-भरकम मादा गौर बुरी तरह फंसी हुई थी। वह खुद को निकालने के लिए जितना छटपटाती, तार उसके शरीर में उतने ही गहरे धंसते चले जाते। जब ग्रामीणों और वन अमले की नजर इस बेजुबान पर पड़ी, तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम और वाइल्डलाइफ डॉक्टरों को मौके पर बुलाया गया।

रेस्क्यू के बाद अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम- कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम ने कटर से कंटीले तारों के जाल को काटा और मादा गौर को वहां से बाहर निकाला। मौके पर ही डॉक्टरों ने उसे जरूरी दवाइयां और इंजेक्शन दिए। हालत गंभीर होने के कारण अधिकारी उसे आगे के इलाज के लिए मगधी रेंज के बहेराहा बाड़े में शिफ्ट कर रहे थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था; अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में गौर ने दम तोड़ दिया। इसके बाद बाड़े के पास ही उसका पोस्टमार्टम किया गया और अंगों के के लिए भेजे गए हैं।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

भोपाल, गुरुवार 11 जून, 2026

नोवेल्टी मार्केट में दुकान का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 1.23 लाख रुपये बरामद

इंदौर। थाना एम.जी. रोड पुलिस ने नोवेल्टी मार्केट स्थित एक दुकान का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई 1 लाख 23 हजार 340 रुपये की नकदी बरामद की है। फरियादी ने 7 जून 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी सुमित कलेक्शन नामक दुकान में 6 जून की रात 9:30 बजे से 7 जून की सुबह 11 बजे के बीच अज्ञात बदमाश ने ताला तोड़कर नकदी चोरी कर ली। शिकायत पर थाना एम.जी. रोड में अपराध क्रमांक 274/2026 धारा 305(ए) एवं 331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गठित टीम ने जांच के दौरान सूचना के आधार पर दुकान के सामने स्थित दुकान संचालक अंश चंदवानी पर संदेह व्यक्त किया। पूछताछ में अंश चंदवानी (22 वर्ष), निवासी द्वारिकापुरी, इंदौर ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की गई नकदी बरामद कर ली है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है तथा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

32 मामलों में आरोपी जिलाबदर बदमाश शोभित शर्मा गिरफ्तार, निष्कासन आदेश का कर रहा था उल्लंघन

इंदौर। शहर में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और सक्रिय बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के तहत थाना लसूड़िया पुलिस ने शातिर जिलाबदर बदमाश शोभित शर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर द्वारा एक वर्ष के लिए इंदौर जिले एवं उससे लगे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमा से निष्कासित किया गया था, लेकिन वह बिना वैध अनुमति के शहर में घूमता पाया गया। आरोपी के विरुद्ध मारपीट, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कुल 32 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। लसूड़िया पुलिस ने सक्रिय निष्कासित आरोपियों एवं गुंडा-बदमाशों की जांच के लिए विशेष टीम गठित कर सूचना के आधार पर वाव होटल के पीछे, मेकेनिक नगर, बड़ी भमोरी क्षेत्र में दबिश दी, जहां आरोपी शोभित शर्मा मिला और उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया कि न्यायालय पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर द्वारा 8 मई 2026 को शोभित शर्मा को एक वर्ष की अवधि के लिए इंदौर, उज्जैन, देवास, धार एवं खरगोन जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने का आदेश जारी किया गया था। इसके बावजूद वह इंदौर में पाया गया, जिससे उसने निष्कासन आदेश का उल्लंघन किया। पुलिस ने आरोपी शोभित शर्मा पिता सुरेश शर्मा (27 वर्ष), निवासी बी-2, स्कीम नंबर 114 पार्ट-2, नैनो सिटी, इंदौर के खिलाफ थाना लसूड़िया में अपराध क्रमांक 908/26 के तहत धारा 14, मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

रक्तदान शिविर 14 जून, रविवार को

इंदौर। रक्त न फैक्ट्री में बनता है, न पेड़ पर उगता है और न ही खेत से मिलता है। यह वह दुर्लभ चीज है, जो सिर्फ एक इंसान से ही दूसरे को मिल सकती है। भगवान ने मनुष्य को इस लायक बनाया है कि वह रक्तदान कर दूसरों को जीवनदान दे सके। तो आइए रक्तदान करें और औरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें। श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र, श्री लक्ष्मी माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र, श्री माहेश्वरी युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र, मारवाड़ी माहेश्वरी प्रगति मंडल एवं बांगड़ मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक 14 जून, रविवार को मेडिकेयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के सहयोग से गीता भवन मंदिर में सुबह 8:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक किया जा रहा है। पूर्वी युवा संगठन के अध्यक्ष मधुरम् राठी एवं मंत्री अरविन्द करनाणी ने बताया कि उक्त आयोजन सर्वधर्म समाज के लिए है। कोई भी व्यक्ति इसमें आकर रक्तदान कर सकता है। रक्तदाताओं के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था श्री अमरचंद सोनी, जोधपुर कैटरर्स के सौजन्य से रहेगी। श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. चंद्रप्रकाश हेड़ा एवं मंत्री सीए डॉ. ओमप्रकाश माहेश्वरी ने बताया कि ठंड हो, बारिश हो या फिर गर्मी, रक्त की जरूरत तो हर मौसम में, हर पल, हर प्रहर, हर दिन किसी न किसी को होती रहती है। इसके माध्यम से हम अपने खून को किसी की रगों में बहने का मौका देते हैं। यह कई जिस्मों में जिंदा रहने का लाजवाब तरीका है। श्री लक्ष्मी माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र की अध्यक्ष श्रीमती अंजना बाहेती एवं मंत्री श्रीमती सोनाली न्याति ने बताया कि शिविर में रक्तदान करने वालों की निःशुल्क ब्लड शुगर और हीमोग्लोबिन की जांच की जाएगी। साथ ही निश्चित उपहार भी दिया जाएगा। मारवाड़ी माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष रामकिशोर राठी एवं मंत्री मनोज धूत ने बताया कि इमरजेंसी में किसी को भी रक्त की जरूरत पड़ने पर शिविर में किया गया रक्तदान ब्लड बैंक के माध्यम से जरूरतमंद को मिल जाता है एवं जाने-अनजाने ही हम किसी की जान बचाने में सहयोगी हो जाते हैं। इसलिए आप सभी से निवेदन है कि अपने पड़ोसियों, मित्रों, पारिवारिक एवं व्यापारिक संपर्कों तथा सभी मिलने-जुलने वालों को रक्तदान शिविर की जानकारी देकर उन्हें शिविर में रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें। उक्त शिविर के संयोजक श्रीमती प्रीती उज्जवल चांडक, श्रीमती अम्बिका प्रवीण बिहानी, मोहित मूंदड़ा, कार्तिक हेड़ा, सीए अर्पण माहेश्वरी एवं पुनीत सोनी हैं। समाज के राकेश लखोटिया, शैलेश सोड़ानी, महेश लढ़ा, प्रकाश लखोटिया, सीए मनोज राठी, सीए चिराग परतानी, श्याम मूंदड़ा आदि ने अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की है।

इन्दौर ब्रिक्स कृषि सम्मेलन: ग्रामीण हाट में मध्यप्रदेश की कृषि-विरासत से रूबरू हुए विदेशी मेहमान

तिलक लगाकर किया स्वागत, मालवी साफा पहनकर चखा देसी आमों का स्वाद, मिलेट्स और जैविक खेती की जानकारी ली

● **होलकरकालीन कृषि विरासत की दी जानकारी-** प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि इंदौर में कृषि अनुसंधान की समृद्ध परंपरा रही है। वर्ष 1924 में यहां कृषि अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई थी, जहां उन्नत बीजों और आधुनिक खेती के तरीकों पर शोध किया जाता था। प्रतिनिधियों ने कृषि उपकरणों, अनुसंधान गतिविधियों और तकनीकी नवाचारों की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि इंदौर की अनुकूल जलवायु के कारण कपास और अनाज उत्पादन को विशेष बढ़ावा मिला तथा मिट्टी की गुणवत्ता और फसलों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए उस दौर में भी वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग किया जाता था। विदेशी प्रतिनिधियों ने मालवा की सांस्कृतिक विरासत, कृषि परंपराओं और आधुनिक कृषि नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि इंदौर परंपरा और प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है।

● **ब्राजील, फिलीपींस समेत विदेशी प्रतिनिधि आदिवासी नृत्य पर झूमे**

इंदौर। शहर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कृषि एवं नवाचार फोरम के तहत ब्राजील, फिलीपींस, इंडोनेशिया सहित विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों ने मंगलवार को ऐतिहासिक राजवाड़ा और ग्रामीण हाट बाजार का भ्रमण किया। मालवा की पारंपरिक संस्कृति से रूबरू हुए विदेशी मेहमानों का तिलक लगाकर और मालवी साफा बांधकर स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और आदिवासी लोक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने ऐसा माहौल बनाया कि विदेशी प्रतिनिधि भी स्वयं को थिरकने से नहीं रोक सके। कई प्रतिनिधियों ने कलाकारों के साथ लोकनृत्य किया और मालवी संस्कृति की जमकर सराहना की। हाट बाजार में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों पर प्रतिनिधियों ने मिलेट्स, इसबगोल, जैविक कृषि उत्पादों और आधुनिक खेती की तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किसानों और विशेषज्ञों से उत्पादन, विपणन और कृषि नवाचारों पर चर्चा की। मिलेट्स की बढ़ती पैदावार और उससे जुड़े उत्पादों को देखकर प्रतिनिधि विशेष रूप से उत्साहित नजर आए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर खजराना गणेश मंदिर में हुआ पूजन-अर्चन

इंदौर। देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन एवं हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भगवान श्री गणेश का पूजन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर राष्ट्रसेवा की कामना की। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, भाजपा संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने इस अवसर को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान

ऐतिहासिक भूत बावड़ी में गूंजा संस्कृति और विरासत का संगम

इन्दौर। नगर निगम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इंदौर शहर की प्राचीन एवं ऐतिहासिक बावड़ियों एवं कुओं के संरक्षण, पुनरुद्धार व सौंदर्यीकरण का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में सदर बाजार स्थित होलकर कालीन ऐतिहासिक भूत बावड़ी का कायाकल्प किया जा रहा है। जिसके तहत व्यापक साफ-सफाई, रंग-रोगन, संरचनात्मक सुधार तथा सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक रेलिंग कार्य कराया गया है। कार्य पूर्ण होने के मौके पर बावड़ी परिसर को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ते हुए यहां विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किए जा रहे है। नगर निगम एवं कारवां इंडिया हेरिटेज ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक भूत बावड़ी परिसर में 'जश्न-ए-इंदौर' सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मकसद शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को जनसामान्य से जोड़ना, जल संरचनाओं के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इंदौर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना था।कार्यक्रम में देशभर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके और ' इंडियाज़ गॉट टैलेंट' के सेमीफाइनलिस्ट रहे 'ब्लेसिंग ब्लूम औरा' शास्त्रीय म्यूजिकल ग्रुप द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रख्यात इतिहासकार ज़फ़र अंसारी ने भूत बावड़ी एवं इंदौर की ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों एवं इतिहास की जानकारी साझा की। वहीं कथक नृत्यांगनाओं वंशिका एवं तान्या ने अपनी आकर्षक एवं मनमोहक प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सुंदरता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में युवा पीढ़ी के बीच लोकप्रिय कवि पलाश ने अपनी कविताओं एवं रचनाओं के माध्यम से इंदौर की संस्कृति, विरासत और सामाजिक मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

10 पुल-पुलियाओं का निर्माण जून अंत तक पूरा, पलासिया पुल का काम बारिश बाद शुरू होगा

इंदौर। नगर निगम द्वारा शहर में चल रहे 10 छोटे-बड़े पुल एवं पुलियाओं के निर्माण कार्य इस माह के अंत तक पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं पलासिया पुल सहित सात बड़े पुलों के निर्माण कार्य बारिश समाप्त होने के बाद शुरू किए जाएंगे। निगम ने इनके लिए वर्क ऑर्डर जारी कर दिए हैं, लेकिन मानसून को देखते हुए फिलहाल काम रोक दिया गया है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार बारिश के दौरान खुदाई और निर्माण कार्य से यातायात प्रभावित होने के साथ निर्माण गुणवत्ता पर भी असर पड़ सकता है। इसी वजह से नए बड़े प्रोजेक्ट मानसून के बाद शुरू करने का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पुल-पुलियाओं के निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। इनमें वार्ड-49 में कुल मार्ग से छोटा बांगड़दा को जोड़ने वाली पुलिया, कनाड़िया क्षेत्र में हनुमान मंदिर के पास पुलिया, स्कीम-114 तथा पिपलियाहाना क्षेत्र में एमआर-10 मार्ग पर पुल और पुलिया निर्माण प्रमुख हैं। निगम का दावा है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से कई क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और यातायात दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

नेत्रदान में इंदौर बना मिसाल, 16 साल में 19 हजार कॉर्निया दान

इंदौर। सकारात्मक सोच और सामाजिक जागरूकता ने इंदौर को नेत्रदान के क्षेत्र में देश के अग्रणी शहरों में शामिल कर दिया है। 16 साल पहले जहां पूरे साल में केवल 25 से 30 परिवार ही अपने परिजनों का नेत्रदान करवाने के लिए तैयार होते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर प्रतिवर्ष 1400 से 1500 तक पहुंच गई है। नेत्रदान जागरूकता अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं के अनुसार इंदौर के नेत्रदाताओं द्वारा पिछले 16 वर्षों में करीब 19 हजार कॉर्निया दान किए जा चुके हैं, जिनका उपयोग देशभर के जरूरतमंद मरीजों की आंखों की रोशनी लौटाने के लिए किया गया है।

● **150 सामाजिक कार्यकर्ता निभा रहे जिम्मेदारी**

मुस्कान संस्था के काउंसलर संदीपन आर्य ने बताया कि इंदौर में लगभग 150 सामाजिक कार्यकर्ता नेत्रदान मिशन से जुड़े हुए हैं, जो 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन जिला स्तर तक सक्रिय रहते हैं। यही कारण है कि नेत्रदान के प्रति लोगों का भरोसा और जागरूकता लगातार बढ़ी है। इस अभियान में मुस्कान संस्था के अलावा दधीचि मिशन, लायंस क्लब, रोटरी क्लब, जैन सोशल ग्रुप, सिंधी समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

● **मौसम के अनुसार तय होती है कॉर्निया संग्रह की समय सीमा**

विशेषज्ञों के अनुसार मृत्यु के बाद कॉर्निया सुरक्षित रखने और प्रत्यारोपण योग्य बनाए रखने के लिए समय सीमा का विशेष महत्व होता है।

● **गर्मी के मौसम में मृत्यु होने पर 6 घंटे के भीतर कॉर्निया संग्रह करना जरूरी होता है।**

● **सर्दी के मौसम में यह समय सीमा 8 घंटे तक रहती है।**

शहर में नेत्रदान और कॉर्निया संग्रह के लिए एमके आई इंटरनेशनल, झोंका नेत्रालय और एमजीएम मेडिकल कॉलेज से संबद्ध एमवाय अस्पताल का नेत्र विभाग 24 घंटे सेवाएं उपलब्ध कराता है।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित इंदौर दौरे की तैयारी में जुटा प्रशासन, कलेक्टर शिवम वर्मा ने वीसी के बाद दिए निर्देश

इंदौर। राष्ट्रपति के प्रस्तावित इंदौर आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मीडिया से चर्चा करते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि राष्ट्रपति महोदय का इंदौर आगमन प्रस्तावित है। आज आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शासन स्तर से प्राप्त गाइडलाइन, निर्देशों एवं प्रोटोकॉल संबंधी नियमों के अनुसार जिले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। सभी संबंधित विभागों को अलर्ट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रशासन का प्रयास है कि राष्ट्रपति का स्वागत पूरी भव्यता और उत्साह के साथ किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि फिलहाल कार्यक्रम की तिथि निर्धारित नहीं हुई है। जैसे ही अधिकृत कार्यक्रम प्राप्त होगा, तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। साथ ही अधिकारियों को राष्ट्रपति दौरे से संबंधित सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंडी शुल्क बढ़ाने के फैसले से व्यापारियों में नाराजगी, मुख्यमंत्री को भेजा विरोध पत्र

इंदौर। राज्य सरकार द्वारा मंडी शुल्क 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 1.5 प्रतिशत किए जाने के फैसले का व्यापारिक संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है। इंदौर के व्यापारियों का कहना है कि लंबे समय से मंडी शुल्क में कमी की मांग की जा रही थी, लेकिन सरकार ने राहत देने के बजाय शुल्क बढ़ा दिया, जिससे व्यापार और उद्योगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की है। संगठन का कहना है कि वर्तमान में उद्योग-धंधे पहले से ही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में मंडी शुल्क बढ़ाने से व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा और कारोबार की लागत में वृद्धि होगी। व्यापारियों ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि पड़ोसी राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश में कई कर और शुल्क पहले से अधिक हैं। ऐसे में मंडी शुल्क बढ़ने से प्रदेश के व्यापारियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित हो सकती है। संगठन ने सरकार से निर्णय वापस लेने तथा व्यापार और उद्योग जगत को राहत देने के लिए मंडी शुल्क में कमी करने की मांग की है। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि यदि सरकार ने निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किया तो प्रदेशभर में व्यापारी वर्ग आंदोलन की रणनीति भी बना सकता है। फिलहाल व्यापारियों को सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

तालाबों की पाल और कैचमेंट पर बने कब्जों पर चलेगा बुलडोजर, कनाड़िया-बिलावली सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई की तैयारी

इंदौर। शहर के प्रमुख तालाबों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम ने बड़े स्तर पर अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। कनाड़िया, बिलावली, पीपल्यापाला और सिरपुर तालाब सहित कई जलाशयों के आसपास किए गए कब्जों को चिन्हित कर लिया गया है। आगामी चार से पांच दिनों में नोटिस प्रक्रिया पूरी होने के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। निगम की जोनल टीमों द्वारा किए गए सर्वे में सामने आया है कि कई स्थानों पर तालाबों की पाल, कैचमेंट एरिया और 30 मीटर के प्रतिबंधित दायरे में गुमटियां, दुकानें, कच्चे-पक्के मकान और अन्य निर्माण कर लिए गए हैं। सबसे अधिक अतिक्रमण पीपल्यापाला और सिरपुर तालाब क्षेत्र में पाया गया है, जहां कुछ मैरिज गार्डन और आवासीय निर्माण भी नियमों के विपरीत चिन्हित किए गए हैं। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार संबंधित अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। निर्धारित समय सीमा पूरी होने के बाद अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में बिलावली तालाब की चैनल से कब्जे हटाए गए थे, जबकि कैट क्षेत्र के पीछे विकसित की जा रही कॉलोनी में तालाब की जलधारा पर बनाई गई सड़क भी निगम ने तोड़ दी थी। मायाखेड़ी तालाब के आसपास भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा चुकी है। अब निगम का फोकस कनाड़िया तालाब की पाल पर बन रहे मकानों और बिलावली क्षेत्र में किए गए अन्य कब्जों पर है। अधिकारियों का कहना है कि तालाबों की चैनलों और पालों पर हुए अतिक्रमण के कारण बारिश का पानी जलाशयों तक नहीं पहुंच पाता, जिससे तालाब पूरी क्षमता से नहीं भर पाते। यही वजह है कि जल संरक्षण और भूजल स्तर सुधारने के उद्देश्य से अतिक्रमण हटाने का अभियान तेज किया जा रहा है। नगर निगम का दावा है कि तालाबों के प्राकृतिक जल प्रवाह को बहाल करने और भविष्य में जल संकट से बचने के लिए यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

दैनिक सद्भावना पाती
भोपाल, गुरुवार 11 जून,2026

रक्षा संवाद

जोजिला सुरंग: LAC पर भारत की रणनीतिक क्षमता का नया अध्याय

डॉ राजेश जौहरी
दैनिक सदभावना पाती

9 जून 2026 को हिमालय की ऊँचाइयों में एक ऐतिहासिक घटना घटित हुई। 11,578 फीट की ऊँचाई पर स्थित 13.153 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग का अंतिम ब्रेकथ्रू पूरा हो गया। दुनिया की सबसे लंबी सिंगल-ट्यूब बाई-डायरेक्शनल रोड टनल होने के साथ ही यह भारत की पर्वतीय इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता

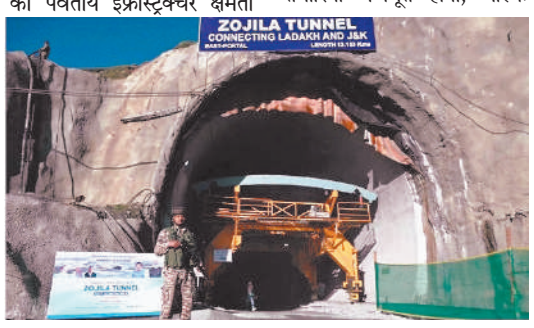

का अनुपम उदाहरण है। मेगा इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा निर्मित यह सुरंग जोजिला दर्रे के नीचे से कश्मीर घाटी को लद्दाख से जोड़ती है और राष्ट्रीय राजमार्ग-1 को साल भर यातायात के लिए खुला रखेगी।

पहाड़ी चट्टानों की नाजुक संरचना, भारी बर्फबारी, हिमस्खलन और चरम मौसम की चुनौतियों के बीच यह सुरंग आधुनिक इंजीनियरिंग का चमत्कार है। हर 250 मीटर पर आपातकालीन निकास मार्ग, उन्नत वेंटिलेशन और सुरक्षा प्रणालियाँ इसे विश्व स्तर का इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट बनाती हैं। बालटाल (सोनमर्ग) से मीनामार्ग (द्रास-कारगिल) के बीच यह सुरंग अब सैनिकों, स्थानीय निवासियों, पर्यटकों और व्यापार के लिए जीवन रेखा साबित होगी। पहले जहाँ बर्फीले मौसम में यात्रा कई घंटों या दिनों की हो जाती थी, अब वह मिनटों की बात रह जाएगी। पूर्ण परिचालन फरवरी 2028 तक शुरू होने की उम्मीद है।

'रणनीतिक दृष्टि' से यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन के साथ जारी तनाव के बीच भारतीय सेना को अब साल के किसी भी मौसम में तेज गतिशीलता और लॉजिस्टिकल सपोर्ट मिल सकेगा। सर्दियों में भी भारी हथियार, गोला-बारूद और सैन्य टुकड़ियों की त्वरित तैनाती संभव हो पाएगी। इससे न केवल एलएसी पर निरंतर निगरानी और तैयारियाँ मजबूत होंगी, बल्कि जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी बढ़ेगी।

जोजिला सुरंग भारत की 'विविध भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद रक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर विकास' की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह परियोजना 'आत्मनिर्भर भारत' और सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है। रक्षा विशेषज्ञ इसे एलएसी पर भारत की 'ऑल-वेदर डिटरेंस' क्षमता का महत्वपूर्ण स्तंभ मान रहे हैं। जब हिमालय की चोटियाँ चुपचाप गवाह बन रही हैं, तब जोजिला सुरंग भारत के संकल्प को बोल रही है- 'हम तैयार हैं, हर मौसम में '

इंदौर: ग्रामीण हाट बाजार में आज पारंपरिक एवं जैविक उत्पादों की होगी विशेष बिक्री

इंदौर। जिला प्रशासन, आत्मा परियोजना एवं कृषि विभाग द्वारा आयोजित ग्रामीण हाट बाजार के समय में आज विशेष परिवर्तन किया गया है। ग्रामीण हाट बाजार अपने नियमित समय के स्थान पर सुबह 11 बजे से प्रारंभ होकर पूरे दिन संचालित रहेगा। ग्रामीण हाट बाजार में इस बार मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्राकृतिक, जैविक एवं पारंपरिक उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी और बिक्री की जाएगी। उपभोक्ताओं को सीधे किसानों एवं उत्पादकों से गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खरीदने का अवसर मिलेगा। बाजार में बालाघाट का प्रसिद्ध चिन्नौर चावल, झाबुआ का सफेद मक्का, छिंदवाड़ा की उच्च गुणवत्ता वाली चिरौंजी, नरसिंहपुर (करेली) का प्रसिद्ध गुड़, मंडला के मिलेट्स (श्रीअन्न) एवं उनसे बने उत्पाद, तथा बुरहानपुर के केले से निर्मित विभिन्न उत्पाद और केले के

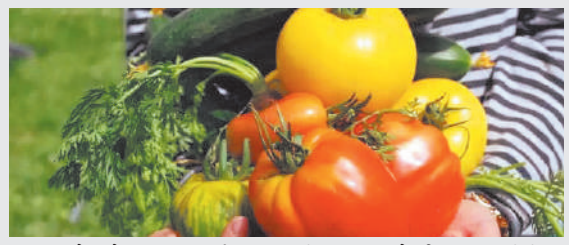

फाइबर से बने वस्त्र आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके साथ ही ताजे जैविक फल एवं सब्जियां, ए-2 मिल्क एवं डेयरी उत्पाद, विभिन्न प्रकार का प्राकृतिक शहद, गोबर से निर्मित पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद, पैशन फ्रूट उत्पाद तथा डीहाइड्रेटेड फल एवं सब्जियां भी उपलब्ध रहेंगी। ग्रामीण हाट बाजार में प्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प एवं वस्त्र परंपरा की झलक भी देखने को मिलेगी। यहां मलबरी सिल्क, टसर सिल्क, बाघ प्रिंट, माहेश्वरी एवं हेम्प से बने पारंपरिक वस्त्रों की विशेष श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि बाजार में आते समय अपने साथ कपड़े का थैला अवश्य लेकर आएं, ताकि इस आयोजन को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके। जिला प्रशासन ने नागरिकों, उपभोक्ताओं एवं प्रकृति प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में ग्रामीण हाट बाजार पहुंचकर स्थानीय किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया है।

कालीबिल्लोद बना स्वच्छता-आत्मनिर्भरता का मॉडल, मोदी के 4399 दिन 'जनआंदोलन' बने - सांसद लालवानी

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सांसद शंकर लालवानी ने देपालपुर के ग्राम कालीबिल्लोद में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित कचरा प्रबंधन व्यवस्था का अवलोकन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। सांसद लालवानी ने कहा, मोदी जी के 4399 दिनों की सबसे बड़ी उपलब्धि स्वच्छता को जनआंदोलन बनाना है। स्वच्छता अब सरकारी योजना नहीं, सम्मान-स्वास्थ्य-विकास का आधार बन चुकी है।' उन्होंने याद दिलाया कि कभी महिलाएं खुले में शौच के लिए अंधेरे का इंतजार करती थीं। स्वच्छ भारत मिशन ने हर घर शौचालय देकर करोड़ों महिलाओं को सम्मान और

सुरक्षा दी। सांसद ने कहा कि पिछले 12 साल में पीएम आवास, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और जनधन जैसी योजनाओं ने गांव-गरीब-महिला का जीवन बदला है। इसी का परिणाम है कि कालीबिल्लोद अब आत्मनिर्भर भारत का मजबूत उदाहरण बन रहा है। ग्राम पंचायत में 3250 परिवार और 400 दुकानों से 100% कचरा संग्रहण होता है। 3 वाहन रोज 1.5 टन कचरा - 1 टन गीला, 500 किलो सूखा - अलग-अलग उठाते हैं। पूरी व्यवस्था स्वात की महिलाएं चलाती हैं। इससे 15 लोगों को रोजगार मिला है। उपभोक्ता शुल्क से 1.65 लाख और रीसाइक्लिंग से 42 हजार, कुल 2.07 लाख रु. मासिक आय हो रही है। सरपंच महेश राठौर, सचिव राजेन्द्र सोलंकी सहित जनप्रतिनिधियों ने मोदी सरकार के जनकल्याण कार्यों की सराहना की और विकसित भारत में सहभागिता का संकल्प लिया।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने 50 लाख रुपये के 230 गुम मोबाइल खोजकर लौटाए, 2026 में अब तक 807 मोबाइल बरामद

इंदौर। इंदौर पुलिस की क्राइम ब्रांच (सायबर सेल) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 50 लाख रुपये मूल्य के 230 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए हैं। यह कार्रवाई 'सिटीजन कॉप एप्लीकेशन' एवं भारत सरकार के 'सीईआईआर पोर्टल' पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई। क्राइम ब्रांच द्वारा वर्ष 2026 में प्राप्त शिकायतों का निराकरण करते हुए अब तक कुल 807 मोबाइल फोन बरामद कर आवेदकों को लौटाए जा चुके हैं। बरामद मोबाइल मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों सहित राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से ट्रेस किए गए हैं। इनमें आईफोन, गूगल पिक्सल, वन प्लस, सैमसंग, वीवो, ओप्पो, रियलमी, रेडमी, नथिंग, मोटोरोला सहित कई कंपनियों के महंगे स्मार्टफोन शामिल हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नागरिकों में 'सिटीजन कॉप एप' और 'सीईआईआर पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने का रुझान लगातार बढ़ रहा है। इन प्लेटफॉर्म्स की मदद से गुम या चोरी हुए मोबाइल की जानकारी तुरंत पुलिस तक पहुंचती है, जिससे उन्हें ट्रैक कर बरामद करने में सफलता मिल रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम या चोरी होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराकर सिटीजन कॉप एप या सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें, ताकि मोबाइल की शीघ्र खोजबीन कर उसे वापस दिलाया जा सके।

यात्रियों को राहत: इंदौर-सूबेदारगंज और उधना-प्रयागराज के बीच चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

इंदौर। ग्रीष्मकालीन अवकाश और बढ़ती यात्री मांग को देखते हुए रेलवे ने इंदौर-सूबेदारगंज तथा उधना-प्रयागराज के बीच स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन ट्रेनों का लाभ रतलाम मंडल के यात्रियों को भी मिलेगा। रेलवे के अनुसार दोनों स्पेशल ट्रेनें विशेष किराये पर संचालित होंगी और उनकी बुकिंग 11 जून से शुरू हो गई है। रेलवे अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि ट्रेन संख्या 04170/04169 इंदौर-सूबेदारगंज स्पेशल का संचालन 16 जून से 29 सितंबर तक किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को इंदौर से रात 8.30 बजे रवाना होकर फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, उज्जैन और मक्सी होते हुए अगले दिन शाम 8 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04169 प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को सूबेदारगंज से चलेगी और अगले दिन सुबह 4.55 बजे इंदौर पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, उज्जैन, मक्सी, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, सोनी, भिंड, इटावा, गोविंदपुरी और फतेहपुर स्टेशनों पर रहेगा। इसमें थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। वहीं ट्रेन संख्या 04106/04105 उधना-प्रयागराज स्पेशल का संचालन 12 जून से 31 जुलाई तक किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को उधना से रात 11.25 बजे रवाना होकर रतलाम, उज्जैन और मक्सी से होते हुए अगले दिन सुबह 5.10 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04105 प्रत्येक गुरुवार और रविवार को प्रयागराज से रवाना होकर अगले दिन रात 8.50 बजे उधना पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव भरूच, छायापुरी, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, रुठियाई, गुना, ग्वालियर, भिंड, इटावा, गोविंदपुरी और फतेहपुर स्टेशनों पर रहेगा। इसमें सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल सेकेंड क्लास कोच उपलब्ध रहेंगे। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रेनों के समय, ठहराव और कोच संरचना संबंधी विस्तृत जानकारी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट से प्राप्त करें। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इन स्पेशल ट्रेनों के संचालन से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

बुजुर्ग को बेटे और पोते ने पीटा

इंदौर। बाणगंगा क्षेत्र में सायकिल मांगने की बात पर बुजुर्ग को बेटे-बहू और पोते ने जमकर पीट दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मारपीट की घटना भागीरथपुरा में हुई। घायल का नाम 70 वर्षीय बाबूलाल पिता देवीलाल बोरासी है। उनकी रिपोर्ट पर आरोपी मुकेश, दिनेश, ललिता पर केस दर्ज किया गया। फरियादी ने पुलिस को बताया कि गत शाम 6 बजे मैंने बेटे मुकेश से घूमने जाने के लिए साइकिल मांगी। लेकिन उसने मना कर दिया। दूसरे बेटे दिनेश से कहा तो उसने भी मना कर दिया।

कबड्डी टूर्नामेंट में हुआ विवाद: टीम को किया बाहर तो मैदान में हुई मारपीट, वीडियो वायरल

इंदौर। चिमनबाग कबड्डी ग्राउंड पर मंगलवार की रात आयोजित टूर्नामेंट के दौरान एक टीम को बाहर किए जाने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद और जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान जमकर मारपीट हो गई। इस का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया वहीं मामला थाने तक पहुंच गया। पुलिस ने एक पक्ष की ओर से केस दर्ज कर लिया जबकि दूसरे पक्ष ने भी शिकायत आवेदन सौंपा है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। एमजी रोड पुलिस के मुताबिक घटना रात करीब 12:15 बजे की बताई गई है। पुलिस ने आयोजन समिति से जुड़े फरियादी यश टिकलिया निवासी आदर्श बिजासन नगर की शिकायत पर आरोपी मयंक गौड़ और रोहन मेहरा के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों अनिकेत बांगर और ऋषभ मेहरा के साथ रात करीब 12:15 बजे चिमनबाग कबड्डी ग्राउंड पर मौजूद था। इसी दौरान दोनों आरोपी वहां पहुंचे और संस्था वैष्णवी की टीम को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने का कारण पूछने लगे और विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने फरियादी के साथ अभद्रता की और विरोध करने पर मारपीट कर दी। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। थाना एमजी रोड पुलिस के मुताबिक यश की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया गया। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से भी शिकायत आवेदन मिला है। पूरे मामले की जांच और कार्रवाई की जा रही है।

मामूली विवाद में तीन भाइयों ने किया हमला

इंदौर। घर के सामने स्कूटर खड़ा के मामूली विवाद में आरोपी तीन भाइयों ने एक युवक पर डंडों से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। हीरानगर पुलिस के मुताबिक मारपीट की घटना मां शारदा नगर में हुई। हमले में घायल युवक का नाम महेंद्र पिता हरि सिंह सिसौदिया है। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी वीरू, रवि और सुनील निवासी मां शारदा नगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मैं अपने घर के सामने स्कूटर खड़ा कर रहा था, तभी सामने रहने वाले आरोपियों ने स्कूटर खड़ा करने से मना किया और विवाद शुरू कर दिया। वे गालियां देने लगे। मना करने पर आरोपियों ने हाथ-मु?कों से मारपीट की फिर डंडों से वार कर दिए। हमले में मुझे हाथ और पैर में चोट आई और खून निकलने लगा।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 2.13 लाख रुपए की ठगी

इंदौर। एक युवक को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर अज्ञात आरोपियों ने 2.13 लाख की साइबर ठगी को अंजाम दे दिया। पुलिस के मुताबिक धोखाधड़ी की वारदात थाना किशनगंज क्षेत्र के ग्राम हरसोला में रहने वाले फरियादी माधव पिता लोकेश सरकार के साथ हुई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि घटना 3 जून को दोपहर से 4 जून की के बीच हुई। मेरे पास अलग-अलग दो मोबाइल नंबरों से अज्ञात आरोपी के कॉल आए थे। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा दिया और बातों में उलझाकर ओटीपी और बैंक डिटेल हासिल कर ली। इसके बाद मेरे बैंक के सेविंग खाते से 2 लाख 13 हजार 518 रुपए निकाल लिए गए। घटना का पता चलने पर साइबर हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ आइटी एक्ट सहित धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल और बैंक ट्रांजेक्शन के आधार पर जांच की जा रही है।

बिजली बिल के नाम पर रिटायर्ड अधिकारी को ठगा

इंदौर। आरोपियों ने बिजली बिल अपडेट न होने का मैसेज भेजकर एक रिटायर्ड अधिकारी के साथ हजारों रुपए की ऑनलाइन ठगी को अंजाम दे दिया। पुलिस ने मामले में सायबर डेस्क की मदद से जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक थाना कनाड़िया पुलिस ने रिटायर्ड जिला पंजीयन अधिकारी रमेश कुंबारे निवासी संचार नगर की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ आइटी ए?ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी ने जानकारी दी कि 2 जून की रात मोबाइल फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बिजली कंपनी का अधिकारी और अपना नाम राकेश बताते हुए कहा था कि आपका मई माह का बिजली बिल अपडेट नहीं हुआ है। आरोपी ने इसी के साथ वाट्सएप पर भी मैसेज भेजा। पुलिस के मुताबिक जब क्रॉस करने पर कहा कि बिल तो जमा किया जा चुका हैं और इसका हमारे पास मैसेज भी आ चुका है। इस पर आरोपी ने कहा कि बिजली कंपनी के सिस्टम में भुगतान अपडेट नहीं दिख रहा है, अपडेट नहीं होने पर बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा। आरोपी ने दो एप्लिकेशन डाउनलोड करने और 12 रुपए का अपडेट शुल्क जमा कराने की बात कही। फिर एक फॉर्म वाट्सएप पर भेजा था। फॉर्म खोलते ही मोबाइल स्क्रीन कुछ समय के लिए बंद हो गई थी।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर नेत्र शिविर का आयोजन

95 वर्ष के बुजुर्ग के साथ 24 वर्ष तक के युवक को निःशुल्क विभिन्न नंबरों के चश्मे निशुल्क दिए गए

इंदौर। श्री परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनूप शुक्ला, त्रिलोक खत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 12 वर्ष पूरे होने पर सेवा कार्य करते हुए श्री परशुराम सेना इंदौर द्वारा मोदी जी की कुटिया आनंदम केंद्र भंडारे वाले मंदिर यशवंत निवास रोड पर 89 चश्मो का वितरण किया गया। इसमें एक 90 वर्ष के बुजुर्ग के साथ, 24 वर्ष के युवा का भी चश्मा बनाया गया। पं. अनूप शुक्ला ने बताया कि अरविंद हॉस्पिटल एवं मां सेवा स्वास्थ्य फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद बुजुर्ग आशाहय एवं साधु संतों का नेत्र प्रशिक्षण अरविंदो हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव सिंह, डॉ वैशाली, डॉ नितिन गहलोत, डॉ देवेंद्र जाटव द्वारा नेत्र प्रशिक्षण किया गया एवं अरविंदो हॉस्पिटल में सात लोगों का निशुल्क ऑपरेशन भी किया गया। परशुराम सेना के नगर अध्यक्ष पप्पी शर्मा ने बताया कि आयोजन में मुख्य रूप से क्षेत्रीय पार्षद के एमआईसी मेंबर नंदकिशोर पहाड़िया, हरीश विजयवर्गीय, योगेश जैन, एडवोकेट रामेश्वर नरवरिया, राजेश स्वामी, संतोष यादव, वीरेंद्र शर्मा, छोटू उस्ताद, बम साहब मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत प्रकाश शर्मा (पप्पी) ,त्रिलोक खत्री एवं प्रकाश सेरोके के ने किया।

शराब के लिए मारपीट, कार में तोडफोड

इंदौर। क्षेत्र में एक बदमाश ने कार चालक को रास्ते में रोका और अड़ीबाजी करते हुए शराब पीने के लिए रुपए की मांग की। मना करने पर आरोपी ने जमकर पीटा और कार में तोडफोड़ कर दी। हमले के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। हीरानगर पुलिस के मुताबिक अड़ीबाजी की वारदात गत रात 10.15 बजे एमआर-10 ब्रिज के पास हुई। पुलिस ने फरियादी अखिलेश चौहान शिव नगर चौराहा, उज्जैन रोड की रिपोर्ट पर आरोपी अमन पाटीदार निवासी भाग्यलक्ष्मी कॉलोनी के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि 9 जून की रात करीब 10.15 बजे मैं कार में सवार होकर एमआर -10 से गुजर रहा था। उसी दौरान अचानक आरोपी कार के सामने आ गया तो मैंने कार रोक ली। कार रोकने पर आरोपी ने खुद को अमन पाटीदार बताते हुए धमकाया और शराब पीने के लिए मुझसे 500 रुपए की मांग की। जब मैने कहा कि रुपए नहीं है और तुम्हें क्यों दूं? इस पर आरोपी ने धमकाते हुए कहा तेरे हाथपैर तोड़ दूंगा और गालियां देने लगा। विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। फिर कार में भी तोडफोड़ कर दी।

चाचा ने भतीजे को बल्ले से पीटा

इंदौर। पैतृक मकान के बंटवारे को लेकर परिवार में हुए विवाद के बाद चाचा और भाइयों ने भतीजे और अन्य पर बल्लों से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। हीरानगर पुलिस के मुताबिक घटना ईश्वर नगर सुखलिया में हुई। पुलिस ने फरियादी अमन पिता माधवप्रसाद चौधरी निवासी ईश्वर नगर की रिपोर्ट पर आरोपी राजू चौधरी, पीयूष और पिंटू निवासी नंदानगर के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी की धाराओं में केस दर्ज किया है।

महिला बाइक से गिरी,मौत

इंदौर। तेजाजी नगर क्षेत्र में गमी के कार्यक्रम से लौट रही एक महिला की तेज रफ्तार बाइक से गिर जाने से मौत हो गई। उन्हें गंभीर घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया मगर इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। थाना तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक हादसा उमरीखेड़ा क्षेत्र के पास हुआ। मृतका का नाम संगीता पति दिलीप (33) निवासी ग्राम जोशी गुराड़िया है। पुलिस के मुताबिक महिला अपने पति के साथ एक रिश्तेदार के यहां हुई गमी के कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। वहां से वह बाइक पर पीछे सवार होकर घर लौट रही थी।

पुस्तक परिचय : बंटवारे की पीड़ा और इंसानियत को बयान करता उपन्यास

लेखक : हरि हिमथानी
हिंदी अनुवाद : अशोक मनवानी

भारतीय साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषाई विविधता है। हिन्दी, बंगाली, मराठी, तमिल, मलयालम, पंजाबी, उर्दू और सिंधी जैसी अनेक भाषाओं में ऐसा श्रेष्ठ साहित्य रचा गया, जो अपने समय, समाज और मनुष्य की संवेदनाओं का गहरा दस्तावेज है। दुर्भाग्य यह है कि भारतीय भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्य का हिंदी में अपेक्षित स्तर पर अनुवाद नहीं हो पाता। ऐसे समय में सिंधी के चर्चित उपन्यास 'रात्रि का दूसरा पहर' का हिंदी अनुवाद साहित्य प्रेमियों के लिए स्वागतयोग्य घटना है। साहित्य अकादमी से सम्मानित लेखक हरि हिमथानी के लगभग दो दशक पहले लिखे गए इस उपन्यास को हाल ही में अशोक मनवानी ने हिंदी पाठकों तक पहुंचाया है। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, भारत सरकार के सहयोग से प्रकाशित यह कृति देश के विभाजन की त्रासदी के बीच मानवीय संबंधों और प्रेम की अनश्वरता को अत्यंत संवेदनशीलता से प्रस्तुत करती है। उपन्यास का कथानक भारत-पाक विभाजन के उस दौर में विकसित होता है, जब दोनों देशों में भय, हिंसा, विस्थापन और असुरक्षा का वातावरण था। लोग धर्म और पहचान के आधार पर बंट रहे थे। लेकिन, मनुष्य के भीतर का प्रेम, अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव तब भी समाप्त नहीं हुआ था। यही इस उपन्यास की मूल संवेदना है। लेखक ने बड़ी खूबसूरती से व्यक्त किया कि राजनीतिक सीमाएं इंसानों को अलग कर सकती हैं, दिलों के रिश्तों को नहीं बांट सकती।

कहानी का नायक ऐंशी परिस्थितियों और भावनाओं के द्वंद्व में जीता है। उसके जीवन में दो स्त्रियां आती हैं जुहरा और रेमी। इन तीनों पात्रों के माध्यम से लेखक ने प्रेम के विभिन्न आयामों को बहुत सहजता से उकेरा है। रेमी, ऐंशी और जुहरा के संबंधों को एक भावनात्मक आधार देती है, लेकिन इसी क्रम में ऐंशी रेमी के प्रति

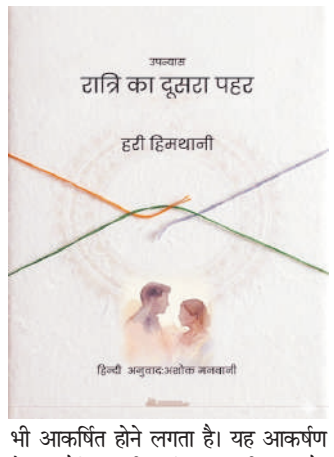

भी आकर्षित होने लगता है। यह आकर्षण केवल दैहिक नहीं, बल्कि आत्मीयता और भावनात्मक निकटता से उपजा है। उपन्यास की सबसे बड़ी शक्ति इसके पात्रों की मानवीयता है। यहां संबंधों में कोई कृत्रिम नाटकीयता नहीं दिखाई देती। रेमी अपने पति ओलाफ के साथ ऐंशी के बीच सहज संबंध बनाए रखती है। तीनों के बीच संवाद, हास्य, शायरी और आत्मीयता का वातावरण पाठक को बांधकर रखता है। लेखक ने प्रेम को किसी सामाजिक बंधन या धार्मिक पहचान से ऊपर रखकर प्रस्तुत किया है। कहानी का सबसे मार्मिक पक्ष तब सामने आता है, जब विभाजन की भयावह परिस्थितियों में ऐंशी को कराची छोड़कर भारत आना पड़ता है। सिंध में हिंसा और असुरक्षा बढ़ चुकी है। ऐसे समय में जान और धर्म बचाना ही सिंधी हिन्दुओं की पहली प्राथमिकता बन जाता है। ऐंशी बिना जुहरा से अंतिम मुलाकात किए भारत रवाना हो जाता है और यही अधूरापन उसके भीतर लंबे समय तक बना रहता है। वर्षों बाद अजमेर में दोनों की आकस्मिक मुलाकात उपन्यास को एक भावनात्मक ऊंचाई प्रदान करती है। जुहरा अपने पति और परिवार के साथ दरगाह शरीफ आई है और स्टेशन पर उसकी मुलाकात ऐंशी से हो जाती है। इस प्रसंग में लेखक ने अत्यंत सादगी और गरिमा के साथ उन भावनाओं को व्यक्त किया है, जिन्हें शब्दों से अधिक आंखें समझती हैं। दोनों के बीच कोई नाटकीय संवाद नहीं, बल्कि मौन का एक गहरा रिश्ता दिखाई देता है। यही मौन इस उपन्यास की सबसे बड़ी ताकत बन जाता है। 'रात्रि का दूसरा पहर' केवल प्रेम कहानी नहीं है, बल्कि यह मानवीय संबंधों की गरिमा, सांप्रदायिक सौहार्द और विभाजन की पीड़ा का संवेदनशील दस्तावेज भी है। लेखक ने यह स्थापित किया कि निःस्वार्थ प्रेम और आपसी सम्मान किसी भी धर्म या सीमा से कहीं अधिक बड़े होते हैं। हिंदी अनुवाद में अशोक मनवानी की मेहनत स्पष्ट दिखाई देती है। भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और मूल संवेदना के अनुरूप है। यह उपन्यास पाठक को अंत तक बांधे रखता है और पढ़ने के बाद लंबे समय तक भीतर एक गहरी उदासी और आत्मीयता छोड़ जाता है भारत का विभाजन विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए भी अध्ययन का विषय है। इसे पढ़कर तत्कालीन परिस्थितियों को जानना महत्वपूर्ण है।

ग्राइंड (Grind) - लगातार मेहनत करना

जब कोई व्यक्ति अपने लक्ष्य को पाने के लिए लगातार मेहनत करता है, तो उसे 'ग्राइंड' कहा जाता है। यह मेहनत और समर्पण को दर्शाता है।

'युवा नौकरी खोजने वाले नहीं, रोजगार सृजित करने वाले बनें'

● नई शिक्षा प्रणाली को उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से जोड़ना समय की मांग

डॉ. मोनू राठौर,
शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता
(SUI)

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यह जनसांख्यिकीय शक्ति हमारे लिए एक अवसर भी है और चुनौती भी। यदि युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और शिक्षा का सही दिशा में उपयोग किया जाए तो भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यदि शिक्षित युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप अवसर नहीं मिलते, तो यही शक्ति देश के लिए चिंता का विषय बन सकती है। आज शिक्षित बेरोजगारी पर चर्चा करते समय हम अक्सर रोजगार की कमी की बात करते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि समस्या का एक महत्वपूर्ण पक्ष हमारी सोच और करियर चयन की संस्कृति से भी जुड़ा हुआ है। बड़ी संख्या में युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद केवल सरकारी नौकरी को ही सफलता का एकमात्र माध्यम मान लेते हैं। वे वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और इसी प्रतीक्षा में अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय व्यतीत कर देते हैं। निस्संदेह सरकारी सेवाएं देश निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि देश के सभी युवाओं को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। ऐसे में युवाओं को अपने कौशल, ज्ञान और नवाचार क्षमता का उपयोग कर उद्यमिता एवं स्वरोजगार की दिशा में भी आगे बढ़ना होगा। नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य भी विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, नवाचारी और रोजगारोन्मुख बनाना है। वर्तमान समय में शिक्षा को पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उसे वास्तविक जीवन की चुनौतियों, उद्योगों की आवश्यकताओं और बाजार की मांगों से जोड़ना होगा। प्रत्येक विद्यार्थी को यह समझना होगा कि रोजगार प्राप्त करना ही सफलता नहीं है, बल्कि रोजगार का सृजन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम तथा विभिन्न नवाचार एवं उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन अवसरों का लाभ उठाकर छोटे स्तर से ही अपने उद्यम प्रारंभ करने का साहस दिखाएं।हमारे समाज में आज भी कई बार छोटे व्यवसाय या स्वरोजगार को नौकरी की तुलना में कममहत्व दिया जाता है। यह सोच बदलने की आवश्यकता है। विश्व के अधिकांश सफल उद्यमियों ने अपनी यात्रा छोटे स्तर से ही प्रारंभ की थी। कोई भी कार्य छोटा नहीं होता; छोटा केवल हमारा दृष्टिकोण हो सकता है। जब एक युवा स्वयं का व्यवसाय स्थापित करता है, तो वह केवल अपने लिए आय का स्रोत नहीं बनाता, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करता है। यदि शिक्षा संस्थान विद्यार्थियों में उद्यमिता, नेतृत्व, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल कौशल और समस्या समाधान क्षमता विकसित करें, तो शिक्षित बेरोजगारी की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रत्येक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर, उद्योग सहयोग कार्यक्रम तथा नवाचार प्रयोगशालाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों के विचार व्यवसायिक मॉडल का रूप ले सकें।भारत के भविष्य का निर्माण केवल सरकारी नौकरियों की संख्या बढ़ाने से नहीं होगा, बल्कि ऐसे युवाओं को तैयार करने से होगा जो नए उद्योग, नए स्टार्टअप और नए अवसरों का निर्माण कर सकें। जब युवा नौकरी पाने के बजाय नौकरी देने की सोच विकसित करेंगे, तभी आत्मनिर्भर भारत का सपना वास्तविकता में परिवर्तित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रमाण-पत्र प्राप्त करना न होकर समाज की समस्याओं का समाधान, आर्थिक विकास में योगदान और राष्ट्र निर्माण की क्षमता विकसित करना हो। यही नई शिक्षा प्रणाली की वास्तविक सफलता होगी और यही विकसित भारत की आधारशिला बनेगी। 'युवा केवल नौकरी के लिए तैयार न हों, बल्कि ऐसे सक्षम बनें कि वे स्वयं अवसर पैदा करें और दूसरों के लिए भी रोजगार का माध्यम बन सकें।'

इंदौर में छात्रों का हल्लाबोल

MPESB भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

इंदौर। MPESB भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के विरोध में बुधवार को 'मूवमेंट अगेंस्ट अनएम्प्लॉयमेंट' के बैनर तले सैकड़ों छात्रों ने प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने बताया कि वनरक्षक, क्षेत्ररक्षक, जेल प्रहरी और सहायक जेल अधीक्षक के 2062 पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा की रविवार को दूसरी पाली की परीक्षा अचानक रद्द कर दी गई। यह परीक्षा प्रदेश के 11 शहरों के 52 केंद्रों पर दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित होना थी। परीक्षा रद्द होने से दूर-दराज से आए हजारों अभ्यर्थियों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हुआ। ज्ञापन में छात्रों ने आरोप लगाया कि बार-बार पेपर लीक की घटनाएं, दूरस्थ परीक्षा केंद्रों का आवंटन और परीक्षाओं का निरस्त होना युवाओं

को मानसिक तनाव की स्थिति में पहुंचा रहा है। उनका कहना है कि इन परिस्थितियों से कई अभ्यर्थी हतोत्साहित हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में ब्लैकलिस्ट की जा चुकी एप्टेक कंपनी से परीक्षा कराने पर रोक लगाने तथा भर्ती परीक्षाएं किसी सरकारी एजेंसी के माध्यम से आयोजित कराने की मांग की। इसके अलावा परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने, परीक्षार्थियों को निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने और मध्य प्रदेश में समाप्त किए गए 1.20 लाख पदों को पुनः बहाल करने की मांग भी की गई। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

कॉन्फिडेंशियल रिजल्ट के लिए बढ़ रहे आवेदन, डीएवीवी पहुंच रहे विद्यार्थी

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) में इन दिनों कॉन्फिडेंशियल रिजल्ट की मांग बढ़ गई है। उच्च शिक्षा में प्रवेश और विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी विश्वविद्यालय पहुंचकर आवेदन कर रहे हैं। इसके साथ ही परीक्षा परिणाम, मार्कशीट और मूल्यांकन संबंधी मामलों को लेकर भी छात्र-छात्राएं संपर्क कर रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि हाल के दिनों में सबसे अधिक आवेदन कॉन्फिडेंशियल रिजल्ट जारी करने के लिए प्राप्त हो रहे हैं। कई विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश और नौकरी संबंधी प्रक्रियाओं के लिए तत्काल रिजल्ट की आवश्यकता है। इसके अलावा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी भी कॉन्फिडेंशियल रिजल्ट के लिए आवेदन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा सकें।

चार साल से फाइलों में अटका DAVV का बाफना हॉस्टल, जर्जर हो रही इमारत

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के नवलखा परिसर स्थित बाफना हॉस्टल के पुनर्निर्माण की योजना पिछले चार वर्षों से फाइलों में अटकी हुई है। वर्ष 2022 में जर्जर हो चुकी इस इमारत को तोड़कर आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए छात्रावास के निर्माण की योजना बनाई गई थी, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। इसका खामियाजा विश्वविद्यालय के बाहर से आने वाले विद्यार्थियों को उठाना पड़ रहा है। विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, बाफना हॉस्टल के पुनर्विकास के लिए लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत का प्रस्ताव तैयार किया गया था। योजना के तहत तीन मंजिला आधुनिक भवन बनाया जाना था, जिसमें 100 से अधिक छात्रों के रहने

की व्यवस्था की जानी थी। प्रारंभिक डिजाइन, लागत और निर्माण अवधि भी तय कर ली गई थी, लेकिन परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी। हॉस्टल भवन की स्थिति का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की टीम द्वारा निरीक्षण कराया गया था। निरीक्षण में इमारत को जर्जर और उपयोग के लिए असुरक्षित पाया गया। इसके बाद पुराने भवन को हटाकर नए छात्रावास के निर्माण की सिफारिश की गई थी, जिसे विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी स्वीकार कर लिया था। वर्तमान में हॉस्टल परिसर उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। परिसर में कबाड़, पुराने टायर और अनुपयोगी सामग्री जमा है, जिससे भवन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। वर्षों से बंद पड़े छात्रावास का लाभ छात्रों को नहीं मिल पा रहा है। बाफना हॉस्टल के पुनर्निर्माण से विश्वविद्यालय में अध्ययन करने आने वाले बाहरी छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा। नए छात्रावास में 100 से अधिक विद्यार्थियों को आवास सुविधा उपलब्ध हो सकेगी, जिससे निजी आवास पर होने वाला खर्च कम होगा। साथ ही विश्वविद्यालय के अन्य छात्रावासों पर बढ़ रहे दबाव को भी कम किया जा सकेगा।

शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि विश्वविद्यालय को इस महत्वपूर्ण परियोजना को जल्द से जल्द शुरू करना चाहिए, ताकि छात्रों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकें और वर्षों से लंबित योजना धरातल पर उतर सके।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए 12 जून से आवेदन, 1239 पदों पर होगी नियुक्ति

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया के तहत छह प्रमुख विषयों के लिए आवेदन प्रक्रिया 12 जून से शुरू करने की घोषणा की है। इच्छुक अभ्यर्थी 26 जून तक आवेदन कर सकेंगे। इस भर्ती के माध्यम से हिंदी, अंग्रेजी, कॉमर्स, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र सहित कुल 19 विषयों के 1239 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। भर्ती प्रक्रिया तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं 12 जुलाई, 2 अगस्त और 30 अगस्त को होंगी, जिसके बाद सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। इस भर्ती की खास बात यह है कि पहली बार गलत उत्तरों पर निगेटिव मार्किंग का प्रावधान लागू किया गया है। आयोग ने पिछले चार वर्षों में तीसरी बार बड़े पैमाने पर असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती निकाली है। वर्ष 2022 से अब तक कुल 4913 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार प्रदेश के 550 से अधिक सरकारी कॉलेजों में 12,389 स्वीकृत पदों में से 5,566 पद अभी भी रिक्त हैं। नई भर्तियों के बाद अधिकांश रिक्तियां भरने की उम्मीद है।

IIT Indore Flags Off Madhya Pradesh Youth Delegation to IIT (ISM) Dhanbad, Jharkhand under Yuva Sangam Phase VI

Sadbhawna Paati Correspondent

Indore, June 10, 2026: Indian Institute of Technology Indore (IIT Indore) today ceremonially flagged off the Madhya Pradesh contingent to Indian Institute of Technology (Indian School of Mines) Dhanbad, Jharkhand, for Yuva Sangam Phase VI, a flagship initiative of the Government of India under the Ek Bharat Shreshtha Bharat (EBSB) programme. The ceremony was presided over by Prof. Suhas Joshi, Director, IIT Indore, in the presence of faculty members, officials, and youth delegates. Yuva Sangam is a unique initiative aimed at strengthening national integration by facilitating meaningful interactions among youth from different states and Union Territories. Under Phase VI, Madhya Pradesh and Jharkhand have been paired to promote cultural exchange, mutual understanding, and appreciation of India's rich diversity. IIT Indore is serving as the Nodal Institution for the Jharkhand contingent, while Indian Institute of Technology (Indian School of Mines), Dhanbad is the host institution for the Madhya Pradesh delegation. The programme witnessed an overwhelming response from across Madhya Pradesh, with more than 3,200 applications received from aspiring participants. Following a rigorous multi-stage selection process, 50 youth delegates were selected to represent the state. The contingent comprises 23 male and 27 female participants drawn from more than 40 districts of Madhya Pradesh, including Indore, Sagar, Betul, Alirajpur, Gwalior, and several other districts. The delegation is accompanied by seven officials from IIT Indore. Addressing the gathering, Prof. Suhas Joshi encouraged the delegates to make the most of this unique opportunity to learn about the culture, traditions, innovation ecosystem, anddevelopmental journey of Jharkhand, while proudly representing the heritage and values of Madhya Pradesh. The delegation will undertake its educational and cultural tour of Jharkhand from June 12 to June 20, 2026. During the visit, participants will explore prominent cultural, educational, historical, and industrial landmarks and interact with local communities and institutions. The programme is also expected to provide an opportunity for the delegates to meet distinguished dignitaries, including the Hon'ble Governor of Jharkhand. Dr. Mrigendra Dubey, Nodal Officer, Yuva Sangam Phase VI at IIT Indore, was also present during the Flagging Off Ceremony and will accompany the delegation during the visit to ensure smooth coordination and successful implementation of the programme. The Yuva Sangam initiative continues to strengthen the spirit of Ek Bharat Shreshtha Bharat by enabling young citizens to experience the cultural richness of different regions of India, fostering national unity, mutual respect, and lifelong connections across states.

NEET Re-Examination on June 21; Senior Officials to Brief Parliamentary Committee Today

Preparations for the NEET-UG re-examination scheduled to be held on June 21 will come under parliamentary scrutiny on Wednesday as senior officials from the Ministries of Health and Education, the National Testing Agency (NTA), and the National Medical Commission (NMC) are set to appear before the Parliamentary Standing Committee on Health and Family Welfare. The committee has summoned key officials, including the Secretaries of Higher Education and Health, to provide a detailed briefing on the arrangements being made for the re-examination and related issues concerning the country's largest medical entrance test. This will be the third parliamentary panel before which these officials will appear regarding the NEET matter. Earlier, they had appeared before the Parliamentary Committee on Education and the Committee on Government Assurances to explain developments related to the examination process and the measures being taken to ensure transparency and fairness. The meeting is expected to focus on the readiness of examination authorities, security arrangements, candidate management, and the timeline for declaration of results and subsequent counselling. The outcome of the discussions could play an important role in shaping the next phase of the NEET admission process for medical aspirants across the country. The NEET-UG re-examination is scheduled for June 21, with lakhs of students closely watching developments related to the exam, results, and counselling process.

BBA में 1000 नई सीटें बढ़ीं, आवेदन की अंतिम तिथि 17 जून

इंदौर। बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। इस वर्ष इन पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। विद्यार्थी 17 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जारी है। बीबीए और बीसीए की पहली मेरिट सूची 26 जून को जारी की जाएगी। इसके बाद छात्रों को आवंटित कॉलेज में 2 जुलाई तक प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। इसी के साथ पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और अगले दौर की शुरुआत होगी। दूसरे चरण के लिए पंजीकरण 3 जुलाई से शुरू होकर 16 जुलाई तक चलेगा। इसकी मेरिट सूची 25 जुलाई को जारी होगी। चयनित विद्यार्थियों को 1 अगस्त तक संबंधित कॉलेज में शुल्क जमा करना होगा। इसके बाद 2 अगस्त से कॉलेज लेवल काउंसलिंग राउंड शुरू होगा, जिसमें विद्यार्थी 5 अगस्त तक पंजीकरण करा सकेंगे। कॉलेज स्तर की पहली सूची 6 अगस्त को प्रदर्शित की जाएगी। जिन विद्यार्थियों का नाम सूची में आएगा, उन्हें उसी दिन प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। इसके बाद 7 से 10 अगस्त तक पुनः पंजीकरण का अवसर मिलेगा और 14 अगस्त को अगली सूची जारी की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को उसी दिन फीस जमा करनी होगी। इस वर्ष बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रमों में कुल सीटों की संख्या बढ़ाकर लगभग 8,500 कर दी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 4,100 अधिक है। इनमें बीबीए की लगभग 1,000 अतिरिक्त सीटें शामिल हैं। प्रवेश प्रक्रिया देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध 60 से अधिक कॉलेजों में संचालित की जाएगी। शिक्षाविदों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में कानून (लॉ) के बाद बीबीए सबसे अधिक मांग वाला कोर्स बनकर उभरा है। इस वर्ष भी बीबीए को लेकर सबसे ज्यादा पूछताछ और आवेदन देखने को मिल रहे हैं। वहीं, आईटी और डिजिटल सेक्टर में बढ़ती संभावनाओं के कारण बीसीए की लोकप्रियता भी लगातार बढ़ रही है। प्राचार्य डॉ. अनस इकबाल के अनुसार, बीबीए की कटऑफ पिछले तीन वर्षों से लगातार ऊंची रही है। वहीं आचार्य डॉ. रचना घाटगे का कहना है कि बीबीए के साथ-साथ बीसीए की मांग भी तेजी से बढ़ी है, जिसके चलते कॉलेजों में सीटों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। इससे विद्यार्थियों को अपनी पसंद के व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के अधिक अवसर मिलेंगे।

16 जून से शुरू होगी CUET PG काउंसलिंग, 25 जून को होगा सीट आवंटन

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में सीयूईटी पीजी 2026 के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। विश्वविद्यालय 16 जून को कॉमन मेरिट लिस्ट जारी करेगा, जिसके बाद छात्र 16 से 21 जून तक अपनी पसंद के पाठ्यक्रम और संस्थान का चयन कर सकेंगे। सीट आवंटन परिणाम 25 जून को घोषित किया जाएगा। पहले चरण में सीट मिलने वाले विद्यार्थियों को 30 जून से 2 जुलाई के बीच तक्षशिला परिसर स्थित ऑडिटोरियम में अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। वहीं, जिन छात्रों को मनपसंद कोर्स या संस्थान नहीं मिलेगा, वे 25 जून से 5 जुलाई तक दोबारा विकल्प भर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, जिन छात्रों ने पहले से काउंसलिंग के लिए पंजीकरण कराया है, उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें केवल चॉइस फिलिंग करनी होगी। नए छात्रों के लिए पंजीकरण अनिवार्य रहेगा, हालांकि दूसरे चरण की काउंसलिंग में केवल वही छात्र शामिल हो सकेंगे जिन्होंने सीयूईटी पीजी परीक्षा दी है। प्रवेश विशेषज्ञों का मानना है कि इस वर्ष एमबीए फाइनेंस और एमबीए मार्केटिंग में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है। इसके अलावा एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स, ई-कॉमर्स और फाइनेंशियल सर्विसेज जैसे पाठ्यक्रमों की कटऑफ भी अपेक्षाकृत ऊंची रहने की संभावना है। हालांकि अब तक करीब 1500 पंजीकरण प्राप्त हुए हैं, जो उपलब्ध सीटों के लगभग बराबर हैं। ऐसे में अधिकांश अन्य पाठ्यक्रमों में छात्रों को बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद है। प्रवेश प्रभारी डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि पहले चरण में मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को उनकी पहली, दूसरी या तीसरी पसंद के अनुसार सीट आवंटित की जाएगी। सीयूईटी पीजी के माध्यम से डीएवीवी के 23 विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जा रहा है। इस वर्ष आवेदन के समय किसी विशेष विश्वविद्यालय का चयन करना अनिवार्य नहीं था, जिससे देशभर के सभी सीयूईटी पीजी अभ्यर्थियों को डीएवीवी की काउंसलिंग में भाग लेने का अवसर मिला है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार देशभर से 4.11 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जबकि लगभग 3.45 लाख छात्रों ने परीक्षा दी। ऐसे में प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। वहीं प्रवेश प्रक्रिया के अध्यक्ष डॉ. बी.के. त्रिपाठी ने बताया कि सभी चरणों का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया जा रहा है और छात्रों को निर्धारित तिथियों पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि एमबीए फॉरेन ट्रेड, एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एमबीए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एमबीए एंटरप्रेन्योरशिप, एमबीए टूरिज्म, एमटेक (5 वर्षीय-6 वर्षीय कार्यक्रम), एमबीए हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन तथा एमकॉम जैसे पाठ्यक्रमों में भी आगामी चरणों में सीटें तेजी से भरेंगी।

दुल्हन के पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके।

हाथों के अलावा दुल्हन के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। ऐसे में हम आपको लिए पैरों में लगाई जाने वाली मेहंदी की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है, तो आप भी इन मेहंदी डिजाइन्स को पैरों पर लगवा सकती हैं।

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं। इस डिजाइन में आप पेड़-पौधे, फूल, झरोखे और फाउंटेन आदि बना सकती हैं। इससे मेहंदी भी भरी नजर आएगी।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

झूमर मेहंदी डिजाइन

झूमर मेहंदी डिजाइन देखने में काफी अच्छी लगती है। यदि आप इसको पैरों में लगा रही हैं, तो यह रॉयल टच देगी। पैरों के साइज के आधार पर आप छोटे या बड़े झूमर बना सकती हैं। झूमर के साथ ही हाथ और घोड़ा का डिजाइन काफी ज्यादा अच्छा लगता है। झूमर के साथ बारात-डोली और छतरियां आदि की डिजाइंस भी बनवा सकती हैं। यह मेहंदी को ज्यादा वेडिंग टच देती है।

ब्लॉक मेहंदी डिजाइन

अगर आप कम समय में दुल्हन के पैरों को यूनिक डिजाइन से सजाना चाहती हैं, तो आप ब्लॉक मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। इस मेहंदी डिजाइन में अलग-अलग तरह के ब्लॉक लॉक्स बना सकती हैं। यह ब्लॉक्स कस्टमाइज भी हो सकते हैं। आप मेहंदी डिजाइन पर अपने प्यार की कोई निशानी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन पैरों में काफी अच्छी लगती है। वहीं आप ब्लॉक मेहंदी को सपोर्ट करने के लिए इसमें बॉर्डर मेहंदी या फिर स्पाइरल बेल मेहंदी डिजाइन बनवा सकती हैं।

बेल मेंहदी डिजाइन

इस तरह ही मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। हालांकि पैरों पर फूलों की बेल या अरेबिक इतनी ज्यादा अच्छी नहीं लगती है। लेकिन पैरों में बॉडर और बारीक मेहंदी का मिश्रण काफी अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप पैरों में बेल मेहंदी लगाने जा रही हैं, तो थोड़ा फूल-पत्तियों को बड़ा बनाएं। आप चाहें तो पैरों पर कमल या फिर गुलाब की बेल बना सकती हैं। वहीं इसको ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए पराग, लताएं और केरियां आदि भी बना सकती हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं। कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती - अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती - यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती -आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती - आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है। इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी।

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

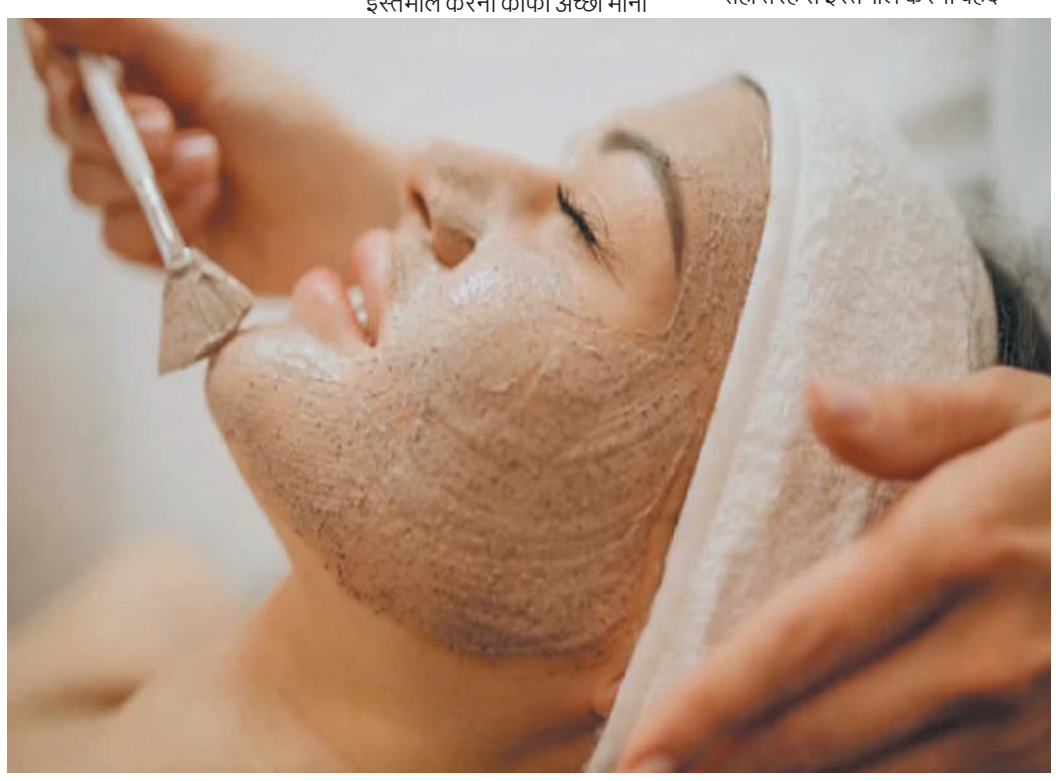

अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोजाना लगाने वाली चीज नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करें। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

फीफा वर्ल्ड कप

अर्जेंटीना ने आइसलैंड को 3-0 से हराया

● चोट से उबरने के बाद मेसी का शानदार प्रदर्शन

अलबामा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से पहले आखिरी वॉर्म-अप मुकाबले में अर्जेंटीना ने आइसलैंड के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौटे लियोनेल मेसी भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने एक गोल किया। एक मजबूत टीम के खिलाफ खेलते हुए आइसलैंड ने मैच की शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन किया और कुछ मौके भी बनाए। मिकेल एलर्टसन के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन वह हाथ आए इस मौके को भुनाने में नाकाम रहे। यह मौका बाद में

मैच का अहम मोड़ साबित हुआ। इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर पकड़ बनाई। आठवें मिनट में वैलेंटिन बार्को ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर पहला गोल किया और टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। पहले हाफ में अर्जेंटीना ने लगातार आइसलैंड की डिफेंस पर दबाव बनाया, लेकिन और गोल नहीं कर सका। हाफ टाइम तक स्कोर 1-0 रहा। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना के कोच ने कई बड़े बदलाव किए। एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडीज और लुटारो मार्टिनेज को सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर उतारा गया। इन खिलाड़ियों के आने से टीम का आक्रमण और मजबूत हो गया।

भारतीय टीम की बढ़ी मुश्किलें

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले टीम इंडिया के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इंजरी की वजह से वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं। दरअसल, हार्दिक के पैर में निगल (हल्की चोट) है, जिसके कारण उनका वनडे सीरीज में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। आईपीएल 2026 के दौरान पीठ में ऐंठन की वजह से हार्दिक मुंबई इंडियंस की ओर से कुछ मुकाबले खेलते नजर नहीं आए थे। हार्दिक 2 जून से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में मौजूद थे। माना जा रहा था कि हार्दिक को वनडे सीरीज खेलने के लिए सीओई की तरफ से हरी झंडी मिल जाएगी। हार्दिक सीओई में फिटनेस टेस्ट के दौरान पूरी तरह से फिट नजर आए थे। उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने के साथ-साथ फील्डिंग ड्रिल्स में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, यह निगल उन्हें हाल ही में हुआ है, जिसके कारण उनका 13 जून से शुरू हो रही वनडे सीरीज में खेल पाना मुश्किल

नजर आ रहा है। सूत्रों ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हार्दिक पांड्या को सीओई ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए हरी झंडी दे दी थी। हालांकि, अब पता चला है कि उनके पैर में हल्की चोट लग गई है और उन्हें रिकवरी में कुछ हफ्ते लगेंगे।

सूत्र ने आगे कहा, 'इसका मतलब है कि वह अब वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह से फिट नहीं हो पाएंगे और सीओई में अपने रिहैब पर ध्यान देंगे।' हार्दिक अगर इस सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं होंगे, तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका हो सकता है। बल्लेबाजी के साथ-साथ हार्दिक गेंदबाजी भी करते हैं। हार्दिक 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।

हार्दिक ने अपना आखिरी वनडे मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेला था। इसके बाद से उन्होंने कोई भी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेला है। हार्दिक का यह इंतजार और भी लंबा हो गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज तक फिट हो पाते हैं या नहीं। हार्दिक से पहले विराट कोहली भी हैमस्ट्रिंग की इंजरी के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो चुके हैं। कोहली के स्थान पर यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है।

महिला टी20 विश्व कप

ये 5 गेंदबाज कर सकती हैं दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप के 10वें संस्करण का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाना है। आइए आपको उन पांच गेंदबाजों के नाम बताते हैं, जो इस मेगा इवेंट में अपनी टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं।

● **एनाबेल सदरलैंड:** भले ही सरदलैंड को ऑस्ट्रेलिया की ओर से ज्यादा कामयाबी टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में मिली हो, लेकिन वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भी कारगर साबित हुई है। सदरलैंड का प्रदर्शन पिछले टी20 विश्व कप में कमाल का रहा था। उन्होंने टूर्नामेंट में 15 विकेट चटकाए थे और वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं। 26 वर्षीय तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेले 85 टी20 मुकाबलों में 53 विकेट निकाल चुकी हैं, जबकि वह बल्ले से भी अहम योगदान दे सकती हैं।

● **चार्ली डीन:** इंग्लैंड की स्पिन गेंदबाज चार्ली डीन अपनी घूमती गेंदों से बल्लेबाजों को खासा तंग कर सकती हैं। डीन इंग्लैंड की ओर से खेले 51 टी20 मुकाबलों में 67 विकेट निकाल चुकी हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी 6.90 का रहा है। विकेट निकालने के साथ-साथ डीन रनों पर अंकुश लगाने के लिए भी जानी जाती हैं। यही वजह है कि इस विश्व कप में उनका प्रदर्शन इंग्लैंड के लिए काफी मायने रखेगा।

● **दीप्ति शर्मा** भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा बड़े मुकाबलों की खिलाड़ी हैं और अहम मैचों में वह दमदार प्रदर्शन करने की काबिलियत रखती हैं। 144 टी20 मुकाबलों के

अपने करियर में वह 64 विकेट निकाल चुकी हैं। दीप्ति बीच के ओवरों में साझेदारी तोड़ने का हुनर बखूबी जानती हैं। दीप्ति अपनी गेंदबाजी से किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं। वह बल्ले से भी अहम योगदान दे सकती हैं।

● **अमेलिया केर:** न्यूजीलैंड टीम की कप्तान अमेलिया केर के प्रदर्शन पर इस टी20 विश्व कप में हर किसी की निगाहें रहने वाली हैं। अमेलिया के लिए यह साल गेंद और बल्ले दोनों से शानदार गुजरा है। वह 11 मुकाबलों में 6.02 की इकोनॉमी से 11 विकेट निकाल चुकी हैं। अपनी घूमती गेंदों के दम पर वह कीवी टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं।

● **शबनम इस्माइल:** रिटायरमेंट से वापस लौटने वालीं शबनम इस्माइल टी20 विश्व कप 2026 में साउथ अफ्रीका के लिए वरदान साबित हो सकती हैं। इस्माइल अपनी रफ्तार के दम पर बल्लेबाजों को शुरुआती ओवरों में खासा तंग करने के लिए जानी जाती हैं। इस्माइल को इंग्लैंड की परिस्थितियों खूब रास आएंगी और रफ्तार के साथ-साथ हवा में स्विंग करती हुई उनकी गेंदें किसी भी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर सकती हैं।

विमेंस टी20 वर्ल्ड इतिहास में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कई टीमों ने अपने दमदार प्रदर्शन से एकतरफा जीत दर्ज करते हुए रिकॉर्ड बुक में जगह बनाई है। आइए, टी20 वर्ल्ड कप में रनों के लिहाज से 5 सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली टीमों के बारे में जानते हैं।

● **114 रन:** विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम पर है, जिसने 21 फरवरी 2023 को पाकिस्तान के विरुद्ध केपटाउन में 114 रन से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर 213 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान निर्धारित ओवरों में 99/9 का स्कोर ही बना सका।

● **113 रन:** साउथ अफ्रीका ने 28 फरवरी 2020 को कैनबरा में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 113 रन के अंतर से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने सलामी बल्लेबाज लिजेली ली (101) के शतक के दम पर 195/3 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद थाईलैंड को 19.1 ओवरों में महज 82 रन पर समेट दिया।

● **102 रन:** इस लिस्ट में न्यूजीलैंड तीसरे पायदान पर है, जिसने 19 फरवरी 2023 को पार्ल में श्रीलंका के विरुद्ध 102 रन से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने सूजी बेट्स (56) और अमेलिया केर (66) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 162/3 का स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 15.5 ओवरों में महज 60 रन पर सिमट गई।

● **98 रन:** इंग्लैंड ने 26 फरवरी 2020 को थाईलैंड के खिलाफ 98 रन से जीत हासिल की थी। कैनबरा में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने नैट साइवर-ब्रंट (नाबाद 59) और कप्तान हीथर नाइट (नाबाद 108) के बीच अटूट 169 रन की साझेदारी के साथ 176/2 का स्कोर बनाया। इसके जवाब में थाईलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट गंवाकर 78 रन ही बना सकी।

दर्शक अब सिर्फ एक्शन नहीं, रोल्स को भी महसूस करना चाहता है

अदिवि शेष इन दिनों अपनी एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' को लेकर चर्चा में हैं। 'क्षणम', 'गूढ़चारी' और 'मेजर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके शेष ने इस फिल्म के माध्यम से एक बार फिर

दर्शकों के सामने नई कहानी पेश करने की तैयारी की है। इस विशेष बातचीत में अदिवि शेष ने अपनी आगामी से अपने जुड़ाव और इसके अन्य पहलुओं पर चर्चा की। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था 'डकैत' मूल रूप से सबसे पहले एक प्रेम कहानी है। मैं हमेशा इसे इसी तरह देखता हूं कि यह प्यार की कहानी में बुना गया एक्शन है, न कि एक्शन की कहानी में जोड़ा गया प्यार। अगर आपने फिल्म का गाना 'रूबरू' सुना है, जिसे फहीम अब्दुल्ला ने आवाज दी है, तो उसमें एक बेहद सादगी भरा, रूहानी और पुराने दौर के प्रेम का एहसास मिलता है। यह वैसी ही भावनाओं को दर्शाता है, जैसा कभी पुराने उपन्यासों या पिछली पीढ़ियों की प्रेम कहानियों में देखने को मिलता था। फिल्म का मूल विचार यही था कि जब इतने सरल, पवित्र और भावनात्मक प्रेम के बीच अचानक हिंसा और तीव्र एक्शन प्रवेश करता है, तो पूरा परिवेश किस तरह बदलता है। यही विरोधाभास इस कहानी की सबसे बड़ी ताकत है। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना था कि भावनात्मक रूप से गहरे रिश्तों के बीच संघर्ष और हिंसा किस तरह असर डालते हैं। यही तत्व फिल्म को अलग, बड़े कैनवास वाली और विश्वसनीय बनाते हैं।

मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म कर लूंगा

मेरा नजरिया हमेशा से स्पष्ट रहा है। मैंने तब भी कहा था कि अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म करने के लिए तैयार हूं। मेरे लिए भाषा नहीं, बल्कि कहानी महत्वपूर्ण है। 'मेजर' के बाद मुझे हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री से 4-5 बड़ी वॉर फिल्में और बायोपिक्स ऑफर हुई थीं, लेकिन मेरे भीतर का लेखक मुझे बार-बार रोक रहा था। मुझे लगा कि मेजर संदीप उन्नीकृष्णन का किरदार निभाने के तुरंत बाद किसी दूसरी सैनिक-आधारित कहानी का हिस्सा बनना सही नहीं होगा। मैं उनके माता-पिता की भावनाओं और उनकी यादों के प्रति ईमानदार रहना चाहता था। मेरे लिए हमेशा वही कहानी मायने रखती है, जो भीतर तक प्रभावित करे।

भारत भाग्य विधाता में अपने किरदार को लेकर कंगना ने की खुलकर बात

कंगना रनौत की आगामी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म नर्स की बहादुरी की अनसुनी कहानी को बताती है। इस फिल्म में कंगना ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। अपनी फिल्म और अपने किरदार को लेकर कंगना ने कई बातों का खुलासा किया है।

नर्स की ड्रेस को लेकर कंगना की राय

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका निभाई है। एएनआई से बातचीत के दौरान इस फिल्म में नर्स की ड्रेस को लेकर कंगना ने कहा, 'नर्सों की वर्दी बहुत ब्रिटिश लगती है, उन्हें नर्सों की अपनी पसंद के अनुसार भारतीय रूप दिया जाना चाहिए।'

निभाई नर्स की भूमिका?

कंगना रनौत ने बताया कि उन्होंने 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका क्यों निभाई है। कंगना ने कहा, 'अस्पताल के कर्मचारियों ने देश के लिए दृढ़ता दिखाई। एक नर्स अजमल कसाब की पहचान करने में महत्वपूर्ण गवाह बनकर उभरीं।' इसके साथ ही कंगना ने पीएम मोदी की 'भारत भाग्य विधाता' की योजना के बारे में भी खास बात बताई है।

'नर्सों ने 20 बच्चों को जन्म देने में की मदद'

कंगना रनौत ने कहा, 'भारत भाग्य विधाता 26/11 हमलों की एक अनकही वीरता की कहानी है।' इसके साथ ही कंगना ने बताया कि उस दौरान गोलियों और अफरा-तफरी के बीच, नर्सों ने 20 बच्चों को जन्म देने में मदद की थी।' फिल्म में कंगना रनौत ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। उनके साथ गिरिजा ओक भी एक नर्स के किरदार में हैं। इस फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। 'भारत भाग्य विधाता' एक पैन-इंडिया फिल्म है। कंगना इस फिल्म की निर्माता भी हैं। कंगना और गिरिजा के अलावा फिल्म में स्मिता तांबे, सुहिता थाटे, आशा शेलार, प्रिया बेर्डे, ईशा डे, रसिका अघासे, अमृता नामदेव, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी अहम किरदारों में हैं।

विवाद और आलोचनाओं के बाद 'पेद्दी' से हटाए गए जान्हवी कपूर के रोमांटिक सीन

राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेद्दी' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म की तारीफ हो रही हैं। मगर, साथ ही आलोचनाएं भी हो रही हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर को जिस तरह दिखाया गया है, उस पर विवाद शुरू हो गया। 'पेद्दी' में अभिनेत्री के कुछ गैर-जरूरी और बेहद बोल्ड सीन हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर निर्देशक और मेकर्स को ट्रोल किया गया।

क्यों लिया जान्हवी के सीन हटाने का फैसला

निर्देशक बुची बाबू सना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि जान्हवी कपूर के रोल को लेकर हुई आलोचना के बाद उन्होंने आखिरकार 'पेद्दी' से विवादित सीन हटा दिए हैं। यह कदम उन शॉट्स और रोमांटिक सीन पर आपत्तियों के बाद उठाया गया, जिन्हें महिलाओं के प्रति अपमानजनक माना गया था। निर्देशक ने कहा कि जान्हवी कपूर को बहुत ज्यादा बोल्ड दिखाने वाले हिस्सों पर सोशल मीडिया पर हुए हंगामे के बाद उन्होंने 'पेद्दी' से कुछ सीन हटा दिए हैं। निर्देशक बुची बाबू ने 'इंडियन एक्सप्रेस' के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि जान्हवी वाले कुछ सीन को लेकर गलतफहमी बढ़ गई थी। जान्हवी के किरदार 'अचियम्मा' को कई लोगों ने गलत समझा। दर्शकों ने 'अचियम्मा' के किरदार को लिखे जाने के तरीके पर सवाल उठाए थे। एक हिस्से और महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करने वाले समूहों ने फिल्म के रोमांटिक ट्रैक की आलोचना की थी। इसके बाद मेकर्स ने एलान किया कि महिलाओं के प्रति अपमानजनक माने जाने वाले दृश्यों को काट दिया जाएगा।

बुची बाबू को मांगनी पड़ी माफी विरोध बढ़ने पर बुची बाबू सना ने उन सीन को लेकर माफी मांगी और कहा कि उन्हें फिल्म से हटा दिया जाएगा। राम चरण और जान्हवी कपूर में से किसी ने भी अभी तक इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बुची बाबू ने कहा, 'मेरी राय में बहुत से लोगों ने जान्हवी कपूर के ट्रैक को एक अच्छी कहानी में अनावश्यक समझ लिया।

अल्लू अर्जुन ने राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' पर दी प्रतिक्रिया

फिल्म 'पेद्दी' 04 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसमें रामचरण, जान्हवी कपूर और जगपति बाबू अहम भूमिकाओं में हैं। बॉक्स ऑफिस पर यह अच्छा कलेक्शन जुटा रही है। मगर, फिल्म में जान्हवी कपूर को अपनी भूमिका के लिए काफी ट्रोल किया गया है। इस बीच अल्लू अर्जुन ने इस फिल्म पर अपने विचार रखे हैं।

अल्लू अर्जुन ने 'पेद्दी' पर क्या कहा

अल्लू अर्जुन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म 'पेद्दी' को लेकर पोस्ट की है। उन्होंने राम चरण, जगपति बाबू सहित पूरी टीम की तारीफ की है। एक तरफ उन्होंने राम चरण की भर-भरकर सराहना की है। निर्देशक बुची बाबू सना की भी पीठ थपथपाई है। वहीं, जान्हवी को लेकर खास कुछ नहीं लिखा, सिर्फ शुभकामनाएं दी हैं।

राम चरण के काम ने जीता दिल

अल्लू अर्जुन ने लिखा है, 'कल रात 'पेद्दी' देखी। मेरे प्यारे राम चरण की कमाल की परफॉर्मेंस है। दमदार और रॉ। कमाल का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिला है। उस पर शानदार डांस मूव्स। उन्होंने हर मामले में कमाल कर दिया। वाकई। मुझे अपने भाई पर बहुत गर्व है। वह हर तारीफ के हकदार हैं। वहीं, जान्हवी को लेकर लिखा है, 'लीड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर को खूब सारा प्यार'।

आगे लिखा है, 'जगपति बाबू गारू और बाकी सभी कलाकारों का काम भी शानदार है। सभी टेक्नीशियनों और निर्माताओं को बधाई। फिल्म के कैप्टन, बुची बाबू गारू को बहुत-बहुत बधाई, जिन्होंने सभी का स्तर बढ़ाया और राम चरण गारू को एक ऊंचे मुकाम पर पहुंचाया। 'पेद्दी' की पूरी टीम को बधाई। फिल्म 'पेद्दी' बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। सैकनिल्क पर प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, अब तक फिल्म ने 169.70 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

चोरी के मामले में 29 दिन में गिरफ्तारी से सजा तक पूरी हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम जिले के पालम विलेज थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले में त्वरित जांच और प्रभावी

अभियोजन का उदाहरण पेश करते हुए महज 29 दिनों में आरोपितों को अदालत से दोषी करार दिलवा दिया। चोरी के 18 दिन बाद गिरफ्तारी, चार दिन में चार्जशीट और छह दिन में ट्रायल पूरा होने से पुलिस की कार्यप्रणाली चर्चा में है। मामले में चोरी की मोटर, स्कूटर और वारदात में प्रयुक्त औजार बरामद किए गए। खास बात यह है कि पिछले माह भी इसी थाने ने रिकॉर्ड समय में चार्जशीट दाखिल कर 10 दिनों में सजा दिलवाई थी।

दिल्ली में एआईएस के इशारे पर इंस्पेक्टर ने मांगी थी तीन करोड़ की रिश्वत

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते सोमवार शाम लाल किला के पास से सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के मामले में बेहद चौंकाने वाली जानकारी मिली है। गुजरात, वडोदरा के एक मामले में दो आरोपितों को मुकदमे से राहत दिलाने के एवज में आईजीआई एयरपोर्ट पर सिविल एविएशन में तैनात एक सीनियर आईएएस के निर्देश पर क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर ने आरोपितों से तीन करोड़ की मांग की थी। दोनों आरोपितों की आईएएस अधिकारी के कार्यालय में बीते मई में मीटिंग भी कराई गई थी। बाद में डील डेढ़ करोड़ में तय की गई। जिसमें एडवांस के तौर पर 50 लाख कुछ दिन पहले इंस्पेक्टर को दे दिया गया था। सोमवार को 25 लाख लेते गिरफ्तार कर लिया गया। दवाओं से जुड़ा यह हाई प्रोफाइल केस पहले क्राइम ब्रांच के पास था जिसे बाद में सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया था। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। आरोपितों के फोन इंटरसेप्ट में आईएएस और इंस्पेक्टर की भूमिका सामने आने पर अभी केवल इंस्पेक्टर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। आगे आईएएस अधिकारी को भी सीबीआई गिरफ्तार करेगी।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने देखा निगम बोध घाट का मॉडल, निःशुल्क सेवाओं की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान में अंतिम संस्कार से जुड़े लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने यमुना किनारे स्थित निगम बोध घाट का निरीक्षण किया तथा जनसुविधाओं व अंतिम संस्कार क्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी ली। घाट की संचालन संस्था बड़ी पंचायत वैश्य बीसे अग्रवाल के महामंत्री सुमन गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल का पारंपरिक स्वागत करते हुए घाट पर बन रहे आधुनिक चिता प्लेटफार्म, स्वच्छ शौचालय, छायादार विश्राम स्थल और गर्मी में शीतल पेयजल सहित लोगों को की दी जाने वाली अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। परिवारों को निशुल्क अंतिम संस्कार सामग्री उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। जिससे कठिन समय में परिवारों को राहत मिलती है। इस मौके पर सुमन गुप्ता ने भविष्य में यहां आने वाले लोगों को हर सुविधा और सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी जताई।

डीयू के भगत सिंह कॉलेज में बनेगा त्याधुनिक खेल परिसर, छात्रों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। डीयू के शहीद भगत सिंह कॉलेज में छात्रों को जल्द ही क्रिकेट के मैदान सहित बेहतरीन खेल सुविधाओं का लाभ मिलेगा। कॉलेज के 60 वर्ष पूरे होने के खास अवसर पर कॉलेज में आधुनिक खेल परिसर के लिए भूमि पूजन किया गया है। इस खेल के मैदान में छात्रों को आधुनिक खेल और मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

दिल्ली-एनसीआर में आधी रात को भयंकर आंधी-बारिश से बदला मौसम का मिजाज

आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी और उमस से बेहाल दिल्ली-एनसीआर के लोगों को बुधवार देर रात मौसम ने बड़ी राहत दी। राजधानी और आसपास के इलाकों में तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। बारिश के साथ ही तेज हवाओं के साथ आसमान में बिजली भी तमकती दिखी।

मंगलवार को यलो अलर्ट के बीच राजधानी में मौसम का मिश्रित मिजाज देखने को मिला। दिन भर दिल्ली वासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से बेहाल रहे तो शाम के समय रिकार्ड रफ्तार से धूल भरी आंधी चली। देर रात विभिन्न इलाकों में हल्की वर्षा देखने को मिली। हालांकि इससे तापमान में कोई कमी नहीं आई। बुधवार के लिए भी ऐसा ही मौसम रहने का पूर्वानुमान जारी किया गया है।

मंगलवार की शुरुआत गर्म सुबह के साथ हुई। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजघाट पर तो न्यूनतम तापमान 30.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन चढ़ने के साथ धूप तीखी होती गई व उमस भी बढ़ती गई। इसी के चलते अधिकतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक 43.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रिज क्षेत्र में यह 44.7 डिग्री तक पहुंच गया। शाम होते होते मौसम ने करवट ले ली। मौसम विज्ञानियों ने बताया कि उमस भरी भीषण गर्मी तो बनी ही हुई थी, मध्य पाकिस्तान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी बन गया एवं अरब सागर से आ रही नमी भरी हवाओं ने भी इसमें योगदान दे दिया। नतीजा, शाम साढ़े छह से साढ़े सात बजे के मध्य धूल भरी आंधी का दौर चला। इसकी रफ्तार 13 से 120

किमी प्रति घंटे तक रही। मयूर विहार में सबसे कम 13 जबकि पालम में सबसे ज्यादा 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। पालम में इतनी तेज आंधी 25 साल बाद चली। इससे पहले 4 जून 2025 को भी 120 किमी प्रति घंटे वाली रफ्तार से आंधी चली थी। यह आंधी कुछ ही मिनटों तक रही इसलिए इससे तापमान में कमी नहीं आई। रात साढ़े 10 बजे के आसपास दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हल्की वर्षा का दौर भी शुरू हो गया, जो आधी रात के बाद तक चलता रहा। बुधवार के लिए मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलेंगी। दोपहर बाद या शाम के समय गर्जन वाले बादल बन सकते हैं। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 44 और 30 डिग्री रह सकता है। वहीं बृहस्पतिवार को तेज आंधी के साथ वर्षा का आरेंज जबकि शुक्रवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन दो दिनों में मौसम की इस करवट से तापमान में भी गिरावट आएगी।

आईआईटी दिल्ली ने शुरू किए नए बैच के आवेदन

एआई और मशीन लर्निंग में कैरियर का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और डेटा आधारित तकनीकों की बढ़ती मांग को देखते हुए आइआइटी दिल्ली ने एप्लाइड एआइ, मशीन लर्निंग और डिसीजन साइंस कार्यक्रम के छठे बैच के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान के सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) के अंतर्गत संचालित यह पाठ्यक्रम पेशेवरों और छात्रों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने का प्रयास है। आठ माह की अवधि वाले इस आनलाइन पाठ्यक्रम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मशीन लर्निंग, जनरेटिव एआइ, एजेंटिक एआइ और डेटा आधारित निर्णय लेने की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। आइआइटी दिल्ली के विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ उद्योग जगत के पेशेवर भी लाइव सत्रों के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें

जटिल व्यावसायिक और प्रबंधन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए डेटा आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। इसमें वास्तविक मामलों पर आधारित परियोजनाएं और व्यावहारिक अभ्यास भी शामिल किए गए हैं।

स्नातक और डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को आइआइटी दिल्ली के सीईपी की ओर से प्रमाणित ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनके पेशेवर प्रोफाइल को मजबूत बनाने में सहायक होगा।

लाहौर में गूंजेगी अरदास! दिल्ली से 100 श्रद्धालु पाकिस्तान रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान पर्व मनाने के लिए दिल्ली से 100 श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान रवाना हुआ। गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था। उनके पार्थिव शरीर को रावी नदी में प्रवाहित कर दिया गया था, जहां ऐतिहासिक गुरुद्वारा डेरा साहिब स्थित है। उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धालु वहां श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों बताया कि कमेटी के मुख्य सलाहकार व विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष परमजीत सिंह चंडोक के नेतृत्व में जत्था पाकिस्तान गया है। मंगलवार को श्रद्धालु अमृतसर में रात्रि विश्राम करेंगे। बुधवार को सुबह वाघा बार्डर के रास्ते पाकिस्तान जाएंगे। 18 जून को बलिदान दिवस मनाने के उपरांत 19 जून को उसी मार्ग से वापस भारत लौटेंगे।उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कुछ नेताओं के कारण समुदाय को अलग-अलग तिथियों पर गुरुपर्व व अन्य महत्वपूर्ण दिवस मनाने की स्थिति उत्पन्न हुई थी। अब विभिन्न पंथक संगठनों के संयुक्त प्रयासों से इस बार बलिदान दिवस एक ही तिथि को मनाया जाएगा।

डीयू के मिरांडा हाउस में समर रिसर्च इंटर्नशिप की शुरुआत, देशभर के 450 से ज्यादा विद्यार्थी करेंगे शोध

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू के मिरांडा हाउस में मंगलवार से छह सप्ताह के समर रिसर्च इंटर्नशिप कार्यक्रम फ्लेवर आफ रिसर्चः इन्वेस्टिगेटिव प्रोजेक्ट्स इन मल्टीडिसिप्लिनरी कान्टेक्स्ट्स का शुभारंभ हुआ। 9 जून से 21 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में देशभर के 39 विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों से 450 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शोध कार्य का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उनमें अनुसंधान के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। इस वर्ष इंटर्नशिप के तहत भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, गणित, भूगोल और राजनीति विज्ञान सहित विभिन्न विषयों में शोध के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रतिभागियों को प्रयोगशाला आधारित अध्ययन, फील्ड वर्क, डेटा विश्लेषण और अंतर्विषयी शोध परियोजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा।

शोध और नवाचार के महत्व से परिचित कराया: कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व निदेशक (ईआर एवं आइपीआर) डा. शिव कुमार ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को शोध और नवाचार के महत्व से परिचित कराते हुए कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी देश के विकास और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने युवाओं से नई खोजों और नवाचारों के माध्यम से समाज की चुनौतियों के समाधान तलाशने का आह्वान किया।

कालेज प्रशासन के अनुसार, इंटर्नशिप के दौरान विद्यार्थियों को अनुभवी शिक्षकों और शोध विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागी अपने शोध कार्यों को पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। यह पहल विद्यार्थियों को शोध संस्कृति से जोड़ने और उनकी अकादमिक व विश्लेषणात्मक क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दिल्ली में खुद को घिरा देख बदमाश ने पुलिस पर बरसाईं गोलियां, 17 मामलों के आरोपित को मुठभेड़ में दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ ईस्ट दिल्ली में पुलिस और एक शातिर बदमाश के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर भागने की कोशिश कर रहे बदमाश को पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली मारकर दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गोविंदपुरी पुलिस थाने के घोषित बदमाश सोनू के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, सोनू पर सेंधमारी, डकैती समेत कुल 17 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। देर रात एएटीएस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि शातिर बदमाश सोनू मूलचंद मेट्रो स्टेशन के आसपास किसी वारदात को अंजाम देने या किसी से मिलने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मूलचंद मेट्रो स्टेशन से लेडी श्रीराम कॉलेज के पीछे वाली गली के पास अपना जाल बिछाया।

देर रात जब बदमाश सोनू अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर वहां पहुंचा, तो पुलिस टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया।

पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत, 11 बच्चे भी शामिल

काबुल,एजेंसी। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर उसके क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इन हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तानी हवाई हमले अफगानिस्तान के खोस्त, कुनार और पक्तिका प्रांतों में किए गए। उनके अनुसार हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हुई है।

तालिबान सरकार ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों को निशाना बनाने वाली कार्रवाई बताया है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इन हमलों को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कई महीनों से सीमा पर तनाव बना हुआ है। फरवरी के अंत से दोनों देशों के बीच लगातार संघर्ष और जवाबी कार्रवाइयां हो रही हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है।

टीटीपी को लेकर पाकिस्तान लगाता रहा है आरोप

दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल ऐसे

आतंकवादी संगठन कर रहे हैं, जो पाकिस्तान के भीतर हमले करते हैं। विशेष रूप से पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर चिंता जताता है। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान में शरण लेकर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं। अफगान तालिबान से अलग संगठन टीटीपी टीटीपी, अफगान तालिबान से अलग संगठन है, लेकिन दोनों के बीच वैचारिक और रणनीतिक संबंध माने जाते हैं। अफगानिस्तान में 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान ने सत्ता संभाली थी। तब से पाकिस्तान लगातार काबुल पर टीटीपी को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है।

पाकिस्तान के आरोपों को तालिबान सरकार ने किया है खारिज

हालांकि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। उसका कहना है कि वह किसी भी देश के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देती। ताजा हवाई हमलों के बाद क्षेत्र में हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देशों के बीच बातचीत नहीं हुई तो सीमा पर संघर्ष और तेज हो सकता है।

वेस्ट बैंक संकटः इस्राइली सेटलर्स पर छह देशों का एक्शन, घिरे कैबिनेट मंत्री, फ्रांस-ब्रिटेन ने दी बड़ी चोट

पेरिस, एजेंसी। वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। इस हिंसा को लेकर दुनिया के छह बड़े देश बहुत गुस्से में हैं। इन देशों ने मिलकर हिंसक इस्राइली सेटलर्स पर नए और कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस कार्रवाई में इस्राइल के एक बड़े कैबिनेट मंत्री को भी निशाना बनाया गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस कदम से इस्राइल पर दबाव बनाना चाहता है, ताकि वहां तुरंत हिंसा रोकी जा सके। इस कार्रवाई में ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, नॉर्वे और न्यूजीलैंड शामिल हैं। इन छह देशों के विदेश मंत्रियों ने एक साझा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि चरमपंथी सेटलर्स लगातार फलस्तीनियों पर हमले कर रहे हैं। उनके मानवाधिकारों का खुलेआम हनन हो रहा है। इन हिंसक लोगों को इस्राइल सरकार का पूरा समर्थन मिल रहा है। ये लोग बिना किसी डर के काम कर रहे हैं। सरकार की मदद से वहां नई बस्तियां बनाई जा रही हैं, जो पूरी तरह गलत है। फ्रांस ने इस्राइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच के अपने देश में आने पर रोक लगा दी है। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि स्मोट्रिच बस्तियों के विस्तार को बढ़ावा दे रहे हैं। वे फलस्तीनी गांवों को खाली करा रहे हैं। फ्रांस ने इसके साथ ही चार बड़े नेताओं और 21 हिंसक सेटलर्स पर भी पाबंदी लगाई है। दूसरी तरफ, ब्रिटेन ने भी बड़ा कदम उठाया है। ब्रिटेन ने बस्तियों को पैसा देने वाले छह संगठनों पर वित्तीय प्रतिबंध लगा दिए हैं। अब ये संगठन पैसों का लेन-देन नहीं कर पाएंगे। इस्राइल सरकार इस फैसले से बेहद नाराज है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों को अपमानजनक बताया है। उनका कहना है कि इस तरह के कदमों से दुनिया में यहूदी विरोधी भावना बढ़ेगी।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को भेजा बधाई पत्र

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका ने पीएम मोदी को एक बधाई पत्र भेजा है। यह पत्र आठ जून का है। उन्होंने लिखा कि यह रिकॉर्ड सिर्फ सरकार में बिताए साल नहीं है। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के भरोसे का प्रतीक है। जनता ने बार-बार पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की सोच ने श्रीलंका सहित कई देशों को प्रेरित किया है। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का श्रीलंका सबसे बड़ा गवाह रहा है। साल 2022 के आर्थिक संकट में भारत ने श्रीलंका की बहुत बड़ी मदद की थी। इसके बाद चार से छह अप्रैल 2025 को पीएम मोदी ने श्रीलंका का दौरा किया था। यह उनका वहां का चौथा दौरा था। तब उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'मित्र विभूषण' से नवाजा गया था।

पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने एक व्यक्तिगत वीडियो संदेश जारी किया है। उन्होंने पीएम मोदी को नेतृत्व का रोल मॉडल बताया है। मारापे ने कहा कि 20 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालना एक चमत्कारी उपलब्धि है। उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा जताई। पीएम मोदी ने मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी का ऐतिहासिक दौरा किया था। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की वहां की पहली यात्रा थी। उन्होंने वहां तीसरे भारत-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। यह दौरा वैश्विक दक्षिण यानी ग्लोबल साउथ के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दिखाता है। त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने भी पीएम मोदी को इस मौके पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में एक बड़ी आवाज बनकर उभरा है। उन्होंने पीएम मोदी के एक साधारण परिवार से निकलकर 1.4 अरब लोगों के देश का नेतृत्व करने की यात्रा को सराहा। भारत ने विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास में बड़ी सफलता हासिल की है। पीएम मोदी ने तीन से चार जुलाई 2025 को त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा की थी। यह 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। यह यात्रा वहां भारतीय प्रवासियों के आने की 180वीं वर्षगांठ के खास मौके पर हुई थी।

अगर सुरक्षित रहना चाहते हो तो हमारे क्षेत्र से निकल जाओ, अमेरिकी हमले के बाद ईरान की खुली धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह सुरक्षित रहना चाहता है तो उसे फारस की खाड़ी क्षेत्र छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान की सशस्त्र सेनाएं किसी भी हमले या धमकी का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि युद्ध के मैदान में असफल रहने के बाद अमेरिका ने ईरान के संकल्प को परखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि ईरान की शक्तिशाली सेना किसी भी हमले को बिना जवाब दिए नहीं छोड़ेगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि फारस की खाड़ी के इतिहास में बाहरी ताकतों के बुरे अंजाम के कई उदाहरण

मौजूद हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, अमेरिकी बलों ने ईरान के खिलाफ आत्मरक्षा में हमले शुरू किए हैं। सेंटकॉम का कहना है कि यह कार्रवाई उस घटना के जवाब में की गई, जिसमें ईरान ने अमेरिकी सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराने का दावा किया था। सेंटकॉम ने बताया कि राष्ट्रपति के निर्देश पर मंगलवार शाम से ये हमले शुरू किए गए। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह ईरान की अनुचित आक्रामकता के खिलाफ संतुलित और सीमित जवाबी कार्रवाई है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर गश्त कर रहे एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया। हालांकि उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर में मौजूद दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। इसके बावजूद ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका इस हमले का जवाब देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि उन्हें सेना से जानकारी मिली है कि ईरान ने एक अत्याधुनिक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि पायलट सुरक्षित हैं, लेकिन अमेरिका के लिए इस हमले का जवाब देना आवश्यक है। इस्राइल के बीच भी तनाव बढ़ा है। दोनों देशों के बीच लगातार हमले और जवाबी हमले हो रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार इस्राइल ने ईरान के एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र को निशाना बनाया, जबकि ईरान की ओर से इस्राइली सैन्य ठिकानों पर हमले किए गए।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंधी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।